दैनिक पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः4 : अंकः 31 | ग्वालियर, रविवार 13 अक्टूबर 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज ट्रैक

विजयादशमी पर भाजपा विधायक रीवाबा जड़ेजा ने किया शस्त्र पूजन

नई दिल्ली। विजयादशमी का त्योहार धूमधाम से पूरे देश में मनाया जा रहा है। इस खास अवसर पर देशभर में एक तरफ जहां रावण का पुतला जलाया जा रहा है। वहं दूसरी तरफ शस्त्र पूजन भी किया जा रहा है। इसी कड़ी में गुजरात के जामनगर की विधायक और मशहूर क्रिकेटर रविंद्र जडेजा की पत्नी रीवाबा जडेजा ने विजयादशमी के अवसर पर शस्त्र पूजा की। इसे लेकर रीवाबा जडेजा ने कहा कि आज दशहरे के पावन अवसर पर मुझे शस्त्र पूजा करने का अवसर मिला। सभी को मेरी ओर से दशहरा की हार्दिक शुभकामनाएं। बता दें कि इससे पहले रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने विजयादशमी के अवसर पर पश्चिम बंगाल में सेना की एक कोर के मुख्यालय में शस्त्र पूजा की। इसे लेकर राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक बयान भी दिया है। राजनाथ सिंह ने लिखा, ÷भारत में विजया दशमी के अवसर पर शस्त्र पूजा की एक लंबी परंपरा रही है। आज मैंने दार्जिलिंग के सुकना में 33 कोर के मुख्यालय में शस्त्र पूजा की।÷ राजनाथ सिंह ने इस शस्त्र पूजा की तस्वीरों को भी एक्स पर साझा किया है। इस अवसर पर सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, वरिष्ठ अधिकारी और जवान भी वहां मौजूद थे। बता दें कि राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ द्वारा हर साल विजायदशमी के अवसर पर शस्त्रपूजन किया जाता है। बता दें कि संघ की स्थापना साल 1925 में हुई थी। इस दिन विजयादशमी यानी दशहरा थी। दशमी पर शस्त्र पूजन कि विधान है। इस दौरान राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ द्वारा विजयादशमी के अवसर पर शस्त्रपूजन किया गया। बता दें कि इस दौरान संघ के सदस्य हवन में आहुति देकर विधि-विधान से शस्त्रों का पूजन करते हैं। संघ के स्थापना दिवस कार्यक्रम में हर साल शस्त्र पूजन हमेशा खास रहता है।

गिरिराज सिंह बोले- 1947 में सारे मुसलमानों को पाकिस्तान भेज देना चाहिए था

इंडिया टीवी के मशहूर शो आप की अदालत में इस बार हमारे मेहमान बने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह। इस दौरान इंडिया टीवी के चेयरमैन एवं एडिटर-इन-चीफ रजत शर्मा में अलग-अलग मुद्दों पर गिरिराज सिंह से सवाल किया। इन सवालों का गिरिराज सिंह ने बेबाकी से जवाब दिया। इस दौरान गिरिराज सिंह ने कहा कि भारत हिंदुओं का है। उन्होंने कहा, मैं यहां डंके की चोट पर कहता हूं। 1947 में बंटवारा धर्म के आधार पर हुआ। आप कहिए, हां या ना। जब धर्म के आधार पर बंटवारा हुआ तो पंडित नेहरू अगर सारे मुसलमानों को (पाकिस्तान) भेज दिए होते, तो आज ना वक्फ बोर्ड का जन्म होता, ना औवैसी का जन्म होता, ना बुरहान वानी का जन्म होता। उन्होंने कहा कि लेबनान में नसरुल्लाह (हिज्बुल्ला चीफ) मरता है, पेट में दर्द होता है, दिल्ली, मुम्बई में भाइयों को। तुम अपना संबंध जोड़ोगे नसरुल्लाह से, तो हमें तो तकलीफ होगी। लोग खाते हैं यहां, गाएंगे दूसरी जगह का। ये तो नहीं चलेगा, नहीं चलेगा। इसके बाद रजत शर्मा ने सवाल किया कि आपकी बातों के जवाब में मौलाना अरशद मदनी जैसे लोग कहते हैं कि देखिए 20 करोड़ मुसलमान हैं, इनको कोई घर वापसी नहीं करा सकता अगर कोई ऐसी बात करता है तो जाहिल है। इसपर गिरिराज सिंह ने कहा कि देश का कोई मुसलमान मुझे ये बता दे कि देश के किसी गांव में किसी हिंदू ने उनके ताजिया पर एक पत्थर फेंका हो। हमने तो नहीं फेंका। उन्होंने कहा, जब उनकी आबादी 5 परसेंट होती है, तो काका या चाचा कहते हैं। 10 परसेंट होती है तो बाहें चढ़ा लेते हैं। 15 परसेंट रहती है तो लव जिहाद करते हैं। ये हमारी रामनवमी, हनुमान जयंती यात्रा, कांवड़ यात्रा को गलियों से जाने नहीं दें तो मेरे मन में तकलीफ तो होगी ही कि 1947 में ही चला गया होता। ये गली कम से कम किसी हिंदू या मुसलमान के बीच खाई नहीं बनती। आज केरल में गजवा ए हिंद के लिए देखिए क्या हो रहा है। पूरे देश में लव जिहाद एक योजना के तहत चल रहा है। ऐसे में हम क्यों नहीं कहेंगे कि 1947 में सारे लोगों को पाकिस्तान भेज दिया होता तो आज हमारे देश में ये बातें नहीं होती।

आतंकियों की पार्टी है बीजेपी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने साधा निशाना

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा को आतंकवादियों की पार्टी बताया है। उन्होंने पीएम मोदी के इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया कि कांग्रेस पर शहरी नक्सलियों का नियंत्रण है और उन्होंने भाजपा पर अनुसूचित जाति (एससी) और आदिवासियों के खिलाफ लिंचिंग और जघन्य अपराधों के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों की पार्टी होने का आरोप लगाया। खरगे ने कहा, ÷प्रगतिशील लोगों को शहरी नक्सली कहा जा रहा है, यह उनकी (पीएम मोदी की) आदत है। उनकी पार्टी (बीजेपी) खुद एक आतंकवादी पार्टी है। वे लिंचिंग करते हैं, लोगों पर हमला करते हैं, अनुसूचित जाति के सदस्यों के मुंह में पेशाब करते हैं। आदिवासी लोगों के साथ बलात्कार करते हैं। वे उन लोगों का भी समर्थन करते हैं जो इस तरह के कृत्य करते हैं, और फिर वे दूसरों को दोषी ठहराते हैं।÷ इनकी सरकार में आदिवासियों पर अत्याचार होते हैं उन्होंने कहा, ÷जहां भी उनकी सरकार सत्ता में है, वहां अनुसूचित जाति, खासकर आदिवासियों के लोगों पर अत्याचार होते हैं। फिर वह इन अत्याचारों के बारे में बात करते हैं। यह उनकी सरकार है, वह इसे नियंत्रित कर सकते हैं। बता दें कि 28 सितंबर को जम्मू में एक रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। पीएम मोदी ने रैली के दौरान कहा था कि विपक्षी दल पूरी तरह से ÷शहरी नक्सलियों÷ के नियंत्रण में है जो विदेशी घुसपैठियों को ÷वोट बैंक÷ के रूप में इस्तेमाल करते हैं और अपने ही नागरिकों का मजाक उड़ाते हैं। पीएम मोदी ने कहा, ÷कांग्रेस ने कभी भी हमारे बहादुर सैनिकों के बलिदान का सही मायने में सम्मान नहीं किया है। आज, पार्टी को शहरी नक्सली समर्थकों ने हाईजैक कर लिया है, जो विदेशी घुसपैठियों का वोट बैंक के रूप में स्वागत करते हैं, जबकि हमारे अपने नागरिकों की पीड़ा का मजाक उड़ाते हैं।÷ उन्होंने आगे दावा किया कि कांग्रेस ने नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी के साथ मिलकर हमेशा जम्मू के साथ अन्याय किया है और तुष्टिकरण के लिए कुछ भी करने को तैयार है। पीएम मोदी ने कहा, आज कांग्रेस-एनसी और पीडीपी जम्मू-कश्मीर में हो रहे बदलावों से नाराज हैं। उन्हें आपका विकास पसंद नहीं है। ये लोग कहते हैं कि अगर उनकी सरकार बनी तो वे पुरानी व्यवस्था वापस लाएंगे। वे फिर से लागू करेंगे। वही भेदभावपूर्ण शासन, जिसका सबसे बड़ा शिकार जम्मू रहा है। कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी ने हमेशा जम्मू के साथ अन्याय किया है और तुष्टीकरण के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं। आपको उनके भाषणों को सुनना चाहिए कि वे डोगरा विरासत पर कैसे हमला करते हैं और महाराजा को बदनाम करने के लिए आरोप लगाते हैं।

रावण के सामने रामलीला मंच पर चल रहा था अश्लील डांस

रामलीला तो आपने देखा ही होगा। जहां भगवान राम के जीवन को नाटक के जरिए लोगों को दिखाया जाता है। अब तक तो यहां होते आया था लेकिन आज कल लोग रामलीला के नाम पर समाज को अश्लीलता परोसने लगे हैं। जिसके वीडियो आए दिन सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। ऐसे में कई बार दोषियों पर कार्रवाई भी की जाती है। लेकिन कुछ लोगों का काम समाज में अश्लीलता परोसना ही है। हाल में फिर से एक ऐसा ही वीडियो सोशल मीडिया पर देखने को मिला है। जहां रामलीला के मंच पर बार बालाओं को नचवाया जा रहा है। रामलीला को एक अय्याशी का अड्डा बना दिया गया। वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि रामलीला के मंच पर दो लड़कियां अपनी कमर मटकाते हुए बड़े ही फूहड़ और अश्लील तरीके से डांस कर रही हैं। वहीं रावण अपने आसन पर बैठे उन लड़कियों के डांस को देख रहा है। डांस देखते हुए रावण खुशी से गदगद हो गया और वह अपनी मूंछों को ताव देते हुए लड़कियों के डांस का भरपूर आनंद उठा रहा है। इस पूरे नजारे का वीडियो रामलीला देखने आए किसी दर्शक ने अपने कैमरे में कैद कर लिया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो के वायरल होने के बाद लोग इस पर कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया देते नजर आ रहे हैं। जहां एक यूजर ने इस घटना के बार में बताते हुए कुछ जानकारी दी। जिसमें उसने यह बताया कि यह मामला संभल के बहजोई में स्थित पुराने बाजार की है। यूजर ने आगे बताया कि इस रामलीला में बार बालाओं को बुलाया गया था, जो रावण के सामने ठुमके लगा रही थीं। वीडियो के सामने आने के बाद पुलिस इस मामले की जांच में जुटी हुई है। इस वीडियो को सोशल साइट एक्स पर नाम के पेज से शेयर किया गया है। वीडियो के वायरल होने के बाद संभल पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करने की बात कही है। संभल पुलिस ने वीडियो के नीचे कमेंट करते हुए लिखा - सम्बन्धित को प्रकरण में जाँच/आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया है।

यूपी में कब्र से लाशों के सिर काटकर ले गए तांत्रिक

बिजनौर। यूपी के बिजनौर जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, यहां के हल्दौर थाने की पुलिस ने दो तांत्रिकों को गिरफ्तार किया है। ये दोनों तांत्रिक एक कब्रिस्तान में दफनाए गए शव का सिर काटकर ले गए थे। पुलिस की जांच में पता चला कि ये दोनों ही तांत्रिक सट्टा खेलते हैं और उसी के लिए तंत्र वगैरह किया करते हैं। पुलिस ने दोनों के पास से इस घटना में काम आने वाले सामान को भी बरामद कर लिया है। घटना के बारे में जानकारी देते हुए हल्दौर थाने के प्रभारी निरीक्षक रामप्रताप ने बताया कि 23 सितंबर को खारी के कब्रिस्तान में कारी सैफुर्रहमान की कब्र खुली मिली थी। उन्होंने बताया कि जब कब्र में देखा गया तो शव से सिर गायब था। साह ने बताया कि जांच के दौरान मामला तंत्र-मंत्र से जुड़ा होना पाया गया। उन्होंने बताया कि शनिवार को तांत्रिक कसीमुद्दीन और रामवीर को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई तो दोनों ने अपना गुनाह कबूल कर लिया। आरोपियों के हवाले से बताया कि वे दोनों सट्टा खेलते हैं और उसी के लिए तंत्र क्रिया करते हैं। दोनों आरोपियों ने बताया कि तंत्र क्रिया करने के लिए ही वे 22/23 सितंबर की रात कारी सैफुर्रहमान की कब्र से गर्दन काट कर ले गए थे। कसीमुद्दीन ने बताया कि इस घटना को लेकर हुए हंगामे से वह डर गया और सबूत मिटाने के लिए उसने मुंबई जाकर गर्दन समुद्र में फेंक दी।

विजयादशमी पर भाजपा विधायक रीवाबा जड़ेजा ने किया शस्त्र पूजन

भाजपा विधायक रीवाबा जड़ेजा ने किया शस्त्र पूजन

विजयादशमी का त्योहार धूमधाम से पूरे देश में मनाया जा रहा है। इस खास अवसर पर देशभर में एक तरफ जहां रावण का पुतला जलाया जा रहा है। वहं दूसरी तरफ शस्त्र पूजन भी किया जा रहा है। इसी कड़ी में गुजरात के जामनगर की विधायक और मशहूर क्रिकेटर रविंद्र जडेजा की पत्नी रीवाबा जडेजा ने विजयादशमी के अवसर पर शस्त्र पूजा की। इसे लेकर रीवाबा जडेजा ने कहा कि आज दशहरे के पावन अवसर पर मुझे शस्त्र पूजा करने का अवसर मिला। सभी को मेरी ओर से दशहरा की हार्दिक शुभकामनाएं।बता दें कि इससे पहले रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने विजयादशमी के अवसर पर पश्चिम बंगाल में सेना की एक कोर के मुख्यालय में शस्त्र पूजा की। इसे लेकर राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक बयान भी दिया है। राजनाथ सिंह ने लिखा, ÷भारत में विजया दशमी के अवसर पर शस्त्र पूजा की एक लंबी परंपरा रही है। आज मैंने दार्जिलिंग के सुकना में 33 कोर के मुख्यालय में शस्त्र पूजा की।÷ राजनाथ सिंह ने इस शस्त्र पूजा की तस्वीरों को भी एक्स पर साझा किया है। इस अवसर पर सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, वरिष्ठ अधिकारी और जवान भी वहां मौजूद थे। बता दें कि राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ द्वारा हर साल विजायदशमी के अवसर पर शस्त्रपूजन किया जाता है। बता दें कि संघ की स्थापना साल 1925 में हुई थी। इस दिन विजयादशमी यानी दशहरा थी। दशमी पर शस्त्र पूजन कि विधान है। इस दौरान राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ द्वारा विजयादशमी के अवसर पर शस्त्रपूजन किया गया। बता दें कि इस दौरान संघ के सदस्य हवन में आहुति देकर विधि-विधान से शस्त्रों का पूजन करते हैं। संघ के स्थापना दिवस कार्यक्रम में हर साल शस्त्र पूजन हमेशा खास रहता है।

लाल किले से सटे रामलीला मैदान में हुआ रावण दहन

नई दिल्ली। देशभर में दशहरे के मौके पर एक उत्साह नजर आ रहा है। इस मौके पर दिल्ली के लाल किले से सटे रामलीला मैदान में भी रावण दहन हुआ। इस मौके पर पीएम मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मौजूद रहे। हर बार की तरह इस बार भी इको फ्रेंडली सामग्री से रावण, मेघनाद और कुम्भकरण का पुतला बनाया गया है। रावण दहन कार्यक्रम से पहले राम और रावण के बीच युद्ध का मंचन हुआ। राम ने रावण की नाभि में तीर मारकर उसका अंत किया। इसके बाद रावण, मेघनाथ और कुम्भकरण के पुतलों का दहन किया गया। हिंदू समाज में विजयादशमी के त्योहार का खास महत्व है। हर साल 9 दिन की नवरात्रि के बाद दशमी के दिन ये त्योहार आता है। इस दिन देश के हर राज्य और जिले में जगह-जगह रावण, कुंभकरण और मेघनाद का पुतला जलाया जाता है। इस दिन को बुराई पर अच्छाई की जीत और अधर्म पर धर्म की जीत के रूप में मनाया जाता है। हिंदू धर्म में मना जाता है कि त्रेतायुग में भगवान राम ने दशहरा के दिन ही रावण का वध किया था। इसलिए इस दिन को भगवान राम की जीत के उत्सव के रूप में मनाते हैं।

हालांकि ये कहानी लगभग सभी को पता है, फिर भी हम यहां आपको इस बारे में बता रहे हैं। अयोध्या के राजा दशरथ के पुत्र राम, अपने भाई लक्ष्मण और पत्नी सीता के साथ 14 वर्षों का वनवास काट रह थे। इसी दौरान रावण ने सीता का हरण कर लिया था। राम और लक्ष्मण जब सीता की तलाश में निकले तो उनकी मुलाकात हनुमान जी से हुई। हनुमान जी और वानरों की सेना की मदद ने भगवान राम ने रावण की लंका पर हमला बोला दिया। इस दौरान राम और रावण के बीच भयंकर युद्ध हुआ, जिसमें रावण मारा गया और राम को विजय हासिल हुई। इसके बाद से दशहरा के दिन को हिंदू समाज त्योहार के रूप में मनाता है। ये दिन बुराई पर अच्छाई की जीत को याद दिलाता है।

शिक्षा और ज्ञान ही भविष्य को उज्जवल बना सकता है मनीष धाकड़

बालिका दिवस पर छात्राओं गोहद थाने का विजिट किया, जानी कानून की जानकारी

दैनिक पुष्पांजलि टुडे

गोहद। में बालिका दिवस पर आंगनवाड़ी में पढ़ने वाली छात्राओं ने थाने का विजिट किया। गोहद शक्ति अभिनंदन योजना के अन्तर्गत 2 अक्टूबर से 11 अक्टूबर तक कार्यक्रम चला। जिसमें महिला बाल विकास की छात्राओं को जागरूक करने के लिए गोहद थाने का विजिट कराया गया है। इस दौरान थाना प्रभारी मनीष धाकड़ ने छात्राओं को पुलिसिंग प्रणाली और सरचना के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए अपराध ,सुरक्षा,यातायात, आपातकालीन सेवाएं और हेल्पलाइन नंबर तथा एफआईआर दर्ज कराने की प्रक्रिया के बारे विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उन्होंने ने छात्राओं को अपराध और सुरक्षा के बारे में जागरूक कर जिम्मेदार नागरिक और सामाजिक सुरक्षा की भावना विकसित करते हुए समाज में सकारात्मक योगदान करने हेतु प्रेरित किया गया। थाना प्रभारी मनीष धाकड़ ने छात्राओं की प्रशंसा करते हुए छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। इसके अलावा उन्होंने कानून के प्रति जागरूक रहने के लिए कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी। साथ ही सभी छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि शिक्षा और ज्ञान ही आपके भविष्य को उज्जवल बना सकते हैं। अपने लक्ष्यों को निर्धारित करें। और उन्हें प्राप्त करने के लिए हमेशा मेहनत करते रहना चाहिए। क्योंकि आप सभी इस देश के भविष्य हैं। और आपकी सफलता से ही देश की प्रगति होगी। कार्यक्रम के दौरान महिला परियोजना अधिकारी डॉ संदीप मौर्य ने बताया कि छात्राओं को जागरूक करने और कानून की पूरी जानकारी उन तक पहुंचाने के लिए शासन की ओर से यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है। आज के कार्यक्रम में छात्राओं के साथ-साथ आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं महिला सुपरवाइजर भी मौजूद रही है।

बल्देव में निकली कलश शोभायात्रा

महिलाएं व युवतियां सिर पर कलश लेकर चलती रहीं आकर्षण का केन्द्र, महामाया देवी मंदिर के स्थापना दिवस पर हुआ आयोजन

बलदेव (मथुरा)। श्रीदाऊजी धाम बलदेव में क्षीरसागर स्थित श्री महामाया देवी मन्दिर संस्थान के श्री महामाया देवी मंदिर के 14 वें स्थापना दिवस व वार्षिकोत्सव पर श्री महामाया देवी मन्दिर की कलशयात्रा व शोभायात्रा नगर में परिक्रमा करते हुए निकालीं गयी। जिसका नगर में जगह जगह स्वागत किया गया। शोभायात्रा क्षीरसागर स्थित मन्दिर से शुभारंभ होकर पर नगर परिक्रमा करते हुए निकालीं। नगर परिक्रमा में 216 कलशों के साथ महिलाएं व बालिकाएं चल रही थी। काली मैया, दुर्गा मैया की छवि झांकी शोभायात्रा में बैंड-बाजे के साथ व डीजे साथ निकाली गयी । शोभायात्रा में मन्दिर संस्थापक अनिल कुमार पाठक, सचिव ममता पाठक, मधु वर्मा, वीपी शर्मा, प्रवीण कुमार, दीपक, आशीष कुमार, राजेंद्र पाठक, दिनेश दीक्षित, उपधेश, कन्हैया पांडेय, बंटी गोयल, बंशीधर तेहरिया, अखिलेश पाठक, सतीश, मन्नू, गंगा पाठक, नीरज पाठक, जयंती पाठक, निर्मला, आषीश, पनुआ पाण्डेय, टिल्लु गुधैनिया, बॉबी पाठक, अमित भारद्वाज, राधिका शर्मा, कविता, लक्ष्मीकांत पांडेय,कुसुम, श्रेया, नीरज, कृष्णा, सुधीर आदि थे। कार्यक्रम समापन के बाद प्रसाद का वितरण हुआ। मन्दिर सस्थापक व आयोजक अनिल कुमार पाठक ने सभी भक्तजनों का धन्यवाद व आभार व्यक्त किया।

गोवर्धन में चोरी की वारदातों को दिया अंजाम चोरों के हौसले बुलंद

मथुरा। गोवर्धन में लगातार चोर सक्रिय नजर आ रहे हैं तो वहीं अब चोरों ने जनपद के सभी क्षेत्रों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। वही ताजा मामला गोवर्धन के गांव महमदपुर पारासोली का है, यहां आधा दर्जन से अधिक चोरों ने पांच मकान को अपना निशाना बना डाला। जिनमें से लाखों की नगदी और जेवरात को चोर चोरी कर ले गए, जानकारी के मुताबिक महमदपुर निवासी सत्प्रकाश सत्तो शर्मा, महेश चंद्र शर्मा, संजय सैनी का परिवार रोजाना की तरह शाम को खाना खाकर सोया हुआ था, वही जब सुबह करीब 4ः00 बजे परिवार जागा तो उन्हें देखा कि उनके कमरे में सामान बिखरा हुआ मिला जिससे उनके पैरों तले जमीन खिसक गई, वही पी?ित परिवारों ने बताया कि उनके घर से लाखो से अधिक के जेवरात और लाखों की नगदी गायब है। वही चोरों ने दो बंद मकान को भी अपना निशाना बना डाला। लेकिन मकान में परिवार का कोई सदस्य ना होने के कारण अभी समान व नगदी का कोई भी पता नहीं चल सका है। वही चोरी की खबर गांव में आग की तरफ फैल गई, ग्रामीण एकत्रित हुए और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

बचुपल्ली में रावण का दहन किया गया

रिपोर्टर धनराज चौधरी

बचुपल्ली में रावण का दहन किया गया गांव के मुखिया द्वारा रावण का दहन किया गया गांव के सभी। लोग एकत्र हो कर जय श्री राम के नारे लगाए और फटाके फोड़े रावण की बड़ी पार्टीमा बनाई गई थी।

जनपद ललितपुर के उत्तर प्रदेश थाना बार क्षेत्र अंतर्गत एक मामला निकाल कर आ रहा है सामने 10 वर्षीय बेटी को पिता ने तालिबानी सजा दी

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो
पुष्पांजली टुडे

ललितपुर। एक हैवान पिता ने अपनी 10 वर्ष की बेटी को रस्सी से बांधकर उल्टा लटकाया और बेरहमी से मारपीट की है साथ ही इसकी शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी है जिसका वीडियो वायरल हो रहा है पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है पूरा मामला थाना बार क्षेत्र अंतर्गत धमना गांव का है जहां रहने वाले गोविंद दास रैकवार नाम के युवक ने अपनी ही 10 वर्षीय बेटी सोनम को तालिबानी सजा देने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि आरोपी पिता बेटी को रस्सी से बांधकर उल्टा लटकाया हुए और मारपीट कर प्रताड़ति कर रहा है जिस किसी ग्रामीण ने विरोध किया और घटना का वीडियो बनाकर उसे वायरल कर दिया। वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस में मामले की जांच पड़ताल की और आरोपी पता के विरुद्ध धारा 113 351 (2) बीएस एवं 75 बालकों का संरक्षण के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की जांच रही है वहीं पुलिस आ रही कोई को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई।

मौ थाना प्रभारी डॉ.संतोष सिंह यादव एवं समस्त पुलिस टीम की मेहनत से हुआ एक महीने का काम दो दिन में

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर मौ डॉ.बेताल सिंह गौड़

आपको बता दे की भिण्ड जिले की तहसील मौ में अंग्रेजों के टाइम का बना हुआ थाना जो की एक जर्जर बिल्डिंग में चल रहा था पुलिस अधीक्षक भिण्ड असित यादव के निर्देश अनुसार ही न्यू थाने की बिल्डिंग तहसील के सामने स्योडा रोड पर कंप्लीट तो हो गई थी ,परंतु पुराने थाने से न्यू थाने में शिफ्ट करने के लिए मौ थाना प्रभारी डॉ.संतोष सिंह यादव एवं उनकी पूरी टीम एस,सी,एम ,इरशाद अली की मेहनत और लगन से एक महीने का काम 2 दिन में ही कर दिखाया जो की काबिले तारीफ है जिसकी चर्चा संपूर्ण तहसील मौ में चल रही है और केवल 2 दिन के अंदर पुराने थाने से नए थाने में सारा सामान शिफ्ट कर आज दशहरा के दिन नए थाने का उद्घाटन भी मौ थाना प्रभारी डॉ.संतोष सिंह यादव एवं एस ,सी, एम ,इरशाद अली वा थाना कर्मचारियों के सहयोग से संपूर्ण हो गया है मौ थाना प्रभारी डॉ. संतोष सिंह यादव एवं उप निरीक्षक प्रवेंद्र सिंह गौड़ एवं इरशाद अली यह तीन नाम नैतिकता के लिए भी अपने आप में मिसाल हैं ऐसा हम नहीं समस्त थाने का स्टाफ एवं मौ नगर के लोगों का कहना है इनका लोगों के साथ अच्छा अखलाक एवं पूरे स्टाफ को परिवार की तरह जोड़कर चलना इन की आदत में है यही कारण है कि इनसे पुलिस अधीक्षक के साथ के समस्त स्टाफ भी खुश रहता है

देवी माँ के श्रद्धालुओं ने दर्शनपूजन कर माता का लिया आशीर्वाद

अनुज ठाकुर ब्यूरो
पुष्पांजली टुडे

ललितपुर। देवी माँ के श्रद्धालुओं ने दर्शन-पूजन कर माता का आशीर्वाद लिया। हाथ में नारियल, लिए मां के जयकारे लगाते कतारबद्ध खड़े हो बारी-बारी से दर्शन पूजन कर निहाल हो गए। नई बस्ती नवदुर्गा समिति की ओर समस्त मोहल्ला वासियों ने बड़े ही धूमधाम से की माता रानी की अंतिम विदाई सेकुलर लोगों की किस्सा की गई माता रानी की अंतिम विदाई और कहां की अगले बरस जल्दी आना माता रानी माता रानी की अंतिम विदाई पर रो पड़े सारे मोहल्ले वासियों के लोग अनुज सिंह ठाकुर छोटू राजा अमित साहू अमित पाराशर भूरे राय दिनेश राय अनुराग नामदेव अंकित राजवंश नरेश राय आलोक साहू आदि भक्तगढ़ मौजूद रहे।

पिछोर थाने में हुआ परंपरागत शस्त्र पूजन

पत्रकार हरिओम परिहार

दशहरा का त्योहार पूरे देश में हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है, इसी क्रम में आज दोपहर के समय पिछोर थाने में भी पुलिस की जो वर्षों से चली जा रही परंपरा है उसका निर्वहन करते हुए एसडीओपी पिछोर श्री प्रशांत शर्मा एवं थाना प्रभारी पिछोर श्री जितेंद्र सिंह मावई द्वारा विधि विधान से थाने के शस्त्रों का और वाहनों का पूजन किया गया, चर्चा करने पर एसडीओपी श्री प्रशांत शर्मा ने बताया कि प्रतिवर्ष दशहरे पर पुलिस विभाग में शस्त्रों का पूजन किया जाता है यह पुलिस विभाग की वर्षों से चली आ रही परंपरा है जिसका निर्वहन आज मेरे द्वारा थाना पिछोर पर किया गया एवं उसके अलावा एसडीओपी श्री प्रशांत शर्मा ने समस्त पिछोर के नगर वासियों को दशहरा पर्व की शुभकामनाएं दी हैं, कार्यक्रम में थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह , चौकी प्रभारी हिम्मतपुर संजय सिंह लोधी, उप निरीक्षक बी एल दोहरे एएसआई डीडी शर्मा, एएसआई रामप्रकाश शाक्य एवं थाने का बल मौजूद रहा । आज प्रातः हिंदूवादी नेता दिनेश शर्मा ने लखनऊ पहुंचकर पत्र के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से नौझील स्थित दुर्गा मां मंदिर में पूजा अर्चना करने की गुहार लगाई दिनेश शर्मा ने कहा कि संपूर्ण मंदिर परिसर का एक भी हिस्से मैं यदि इस्लामिक पद्धति में निर्माण हो या दिखे तो वह अपना दावा छोड़ देंगे, माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, पुरातत्व सर्वे , करने को विभाग को आदेशित करें यदि संपूर्ण परिसर में मंदिर एवं मूर्तियों के अवशेष ना मिले तो वह हर सजा भुगतने को तैयार मां भगवती दुर्गा, को जगत जननी कहा जाता है, नवरात्रि उनका विशेष पर्व होता है। हमें अनुमति मिलनी चाहिए थी हम दुखी मन से लखनऊ में राजनेताओं से गुहार लगाने आए हैं। मां दुर्गा का जो मंदिर है वह बताते हैं की भगवान योगेश्वर श्री कृष्ण की बहन भी हैं, ऐसा ज्ञात हुआ है । करोड़ों करोड़ों लोगों की आस्था को देखते हुए , मंदिर हमें मिलना चाहिए, उनके साथ आध्यात्मिक गुरु स्वामी ज्ञान सागर महाराज मौजूद रहे उन्होंने कहा कि हम माननीय मुख्यमंत्री जी से मिलने का प्रयास कर रहे हैं माननीय मुख्यमंत्री जी को हमारी बात सुननी पड़ेगी, हम उनसे न्याय की गुहार करते हैं आशा है वह हमारी बात अवश्य सुनेंगे क्योंकि आज भारतवर्ष में हिंदुत्व के वह प्रमुख चेहरा है

दतिया जिगना थाना पर की गई शस्त्रों की पूजा। थाना प्रभारी नीरज कुमार ने विधिविधान से किया शस्त्र पूजन।

संदीप प्रधान उप संपादक
पुष्पांजलि टुडे

पुजारी ने शस्त्र मंत्रों उच्चारण से सम्पन्न कराई पूजा। इस दौरान थाना प्रभारी नीरज कुमार समेत दिलीप प्रधान आदि पुलिस कर्मी मौजूद रहे।
*पूजा सम्पन्न होने के बाद थाना प्रभारी ने सभी को बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक दशहरा पर्व की शुभकामनाएं दीं और प्रसाद विरतण किया। अपनी पुलिस सेवा में ड्यूटी के दौरान बुराई रूपी रावण का कर्तव्य पालन से अंत करने का संकल्प लिया।

बलेपेट वडेर में नवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाया

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूरू। सीरवी समाज कर्नाटक बलेपेट वडेर में नवरात्रि कथा सत्संग कार्यक्रम शीतल संत राजाराम महाराज पुष्कर धाम के सानिध्य में किया गया। होम अष्टमी के दिन हवन का कार्यक्रम समाज की और से आयोजन किया गया। तपस्या करने वाले 160 तपस्वियों ने पंडित रवि प्रकाश त्रिवेदी के मार्गदर्शन में विधि-विधान पूर्वक हवन करवाया। यजमान नेमाराम गहलोत गांव फुलियां ने लाभ लिया। समाज की ओर से तपस्वियों का माला पहनाकर और श्रीफल देखे स्वागत किया गया। शनिवार को शीतल संत राजाराम का विदाई दी। विदाई समारोह में पधारे संत भगवान दास ने कहा कि हमेशा परिवार में राम -लक्ष्मण की तरह रहना चाहिए। समाज बंधुओ ने भगवान दास का आशीर्वाद प्राप्त किया। समाज की ओर से शीतल राजाराम व संत भगवान दास को श्रीफल भेंट कर स्वागत किया गया। संस्था के अध्यक्ष हरिराम गहलोत ने स्वागत किया। इस अवसर सचिव अमराराम चोयल, सह-सचिव भंवरलाल गहलोत, कोषाध्यक्ष मोतीराम लचेटा, राजूराम, जगदीश, गोपाल, शेषाराम सेंणचा एवं सेवा संघ, सांस्कृतिक समिति, महिला मंडल, कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे

माँ निरंजना देवी पर लगा भक्तों का तांता,हजारों भक्तों ने भंडारे में पाई प्रसादी

पुंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

एसएएफ के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने व्यवस्थाओं को सँभालाभिण्ड । एसएएफ 17 वीं बटालियन भिण्ड में माँ निरंजन देवी जी का प्रसिद्ध मंदिर बना हुआ है,यहां शिव परिवार,राम दरबार,श्री राधाकृष्ण जी,श्री गणेश जी,श्री हनुमानजी के अलावा कई देवी देवताओं की मूर्ति स्थापित है, और बड़ा हवन कुंड भी बना हुआ है, वैसे तो इस मंदिर भक्तों की हमेशा भीड़ बनी रहती है, लेकिन नवरात्रि के अवसर यहां भक्तों का तांता लगा रहता है, अष्टमी एवं नोवी को हजारों की संख्या में भक्त गण माता के दर्शन करने आते हैं, यहां प्रतिबर्ष भंडारा कराया जाता है, जिसकी व्यवस्था एसएएफ के अधिकारी व कर्मचारी एवं मंदिर के सदस्यों द्वारा देखी जाती है।एसएएफ 17 वी बटालियन में माँ निरंजना देवी जी के मंदिर पर नवरात्रि पर्व के अवसर पर सभी व्यवस्था की देखभाल कमाडेंट के मार्गदर्शन पर डीएसपी वंशमणी मिश्रा के नेतृत्व में सीसी हेडक्वार्टर मेहताब सिंह ने मंदिर पर इस बार काफी अच्छी व्यवस्था की हर बर्ष की भांति इस वर्ष उनकी उपस्थिति में कुछ मंदिर पर पहले से भी अच्छी व्यवस्थाएं की गई,भक्तजनों ने बताया कि पहले चार - पांच साल तक लाइट बस मंदिर के गेट तक रहती थी, लेकिन इस वर्ष देखा गया है,कि माता जी के मंदिर से लेकर बटालियन के 6 नंबर गेट तक लाइट लगाई गई है और मंदिर पर काफी बड़ा भंडारा भी हुआ, जिसमें हर वर्ष की भांति इस वर्ष भंडारा काफी बड़ा किया गया है,जो सुबह 12 से लेकर रात्रि 9 ः 30 बजे तक चला,जानकारी के अनुसार भंडारा में लगभग 6000 हजार लोगों द्वारा प्रसाद पाया गया। व्यवस्था में मुख्य रूप से हेडक्वार्टर सीसी कंपनी कमांडर मेहताब सिंह,कोटा मास्टर मेवालाल दौहरे,सूबेदार मेजर बैंक प्रभारी कृष्णा साहू,केंटीन प्रभारी हितेन यादव,चंद्र प्रकाश यादव,राजेश्वर चौहान,धर्मवीर सेंगर,बृजेश सिंह चौहान और बटालियन के हवलदार मेजर एवं एसएएफ स्टाफ अधिकारी व कर्मचारी गण सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे हैं।

दंगल में ग्वालियर से कौशल ने बाजी मार की जीत हासिल जीते 21000 नगद

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह-विजयादशमी के पावन पर्व पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दबोह नगर परिषद द्वारा माँ बीजासेन के तत्वाधान में विशाल दंगल का आयोजन बीजासेन मन्दिर के पास वार्ड नम्बर 06 में आयोजित किया गया।इस दंगल में मध्यप्रदेश-उत्तरप्रदेश के दूर दराच से आये पहलवानों ने हिस्सा लिया,साथ ही पहली बार

वर्षो से चले आ रहे इस दंगल में पिछली बार से ज्यादा संख्या में पहलवानो दंगल में पहुंचकर अपनी उपस्तिथि दर्ज कराई।इस मौके पर मुख्यातिथि के रूप मे लहार विधायक अम्बरीष शर्मा गुड्डू भैया प्रमुख रूप से मौजूद रहे।सर्वप्रथम लहार विधायक अम्बरीश शर्मा गुड्डू भैया ने माँ बीजासेन की पूजा अर्चना की तदोपरांत दंगल प्रांगण में दंगल के जनक अजुद्दी कस्तवार के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किया।उसके बाद दंगल में पहुंचकर फीता काटकर पहलवानों का हाथ मिलाकर कुश्ती का शुभारंभ किया।आयोजित विशाल दंगल में लहार विधायक अम्बरीष शर्मा गुड्डू ने कहा कि असत्य पर सत्य की जीत के जश्न के दिन दंगल का होना कोई दुश्मनी का प्रतीक नही पहलवान जब तक मैदान में है तब तक वह पहलवान है उसके बाद हम सब एक परिवार है इसलिए पहलवान अपनी पहलवानी सिर्फ मैदान तक ही रखे क्यों कि परिवार की ताकत बहुत ब?ी होती है इसलिए मिल कर रहे और सदैव बुराई पर अच्छाई की जीत कायम रखें।उन्होंने अंत मे कहा की दंगल प्रेमियो की मांग को देखते हुए अगले वर्ष इससे भी ब?ा और रोमांचक दंगल कराया जाएगा।वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता दबोह नगर परिषद अध्यक्ष विमला नरेन्द्र दुधारिया के द्वारा की गई।दंगल के अवसर पर नप अध्यक्ष ने सम्बोधित करते हुए कहा कि कुश्ती हमारे देश का प्रिय खेल है और ऐसे जांबाज पहलबानो से ही हमारा हिंदुस्तान मजबूत है।कुश्ती के लिए पहलवानों को निरंतर प्रयास करना आवश्यक है।वहीं अंत मे विजयी कौशल ग्वालियर को थाना प्रभारी दबोह राजेश शर्मा,नगर परिषद अध्यक्ष विमला नरेद्र दुधारिया द्वारा पुरुष्कार राशि भेंट कर सम्मानित किया गया।उक्त कार्यक्रम में नगर परिषद सीएमओ ने लहार विधायक अम्बरीश शर्मा व नगर परिषद अध्यक्ष विमला नरेंद्र दुधारिया को पहनाई।इस दौरान नगर परिषद पार्षद,भाजपा नेता व नगरवासी मौजूद रहे।

कांग्रेस (विपक्ष) के मूर्खों जमीन और भावनाओं की राजनीति करो!

लोगों की नजर में नरेंद्र मोदी की कला उतरती हुई और राहुल गांधी की चढ़ती हुई है। बावजूद इसके हरियाणा में कांग्रेस हारी तो मूर्ख कांग्रेसी, जहां ईवीएम पर वही अरविंद केजरीवाल, उद्धव ठाकरे, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव आदि की पार्टियां कांग्रेस पर ठीकरा फोड़ रही हैं! ये सभी इस बेवकूफी में जी रहे हैं कि भीड़ अपने आप वोट में कनवर्ट होती है। आप ने अब दिल्ली में अकेले विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया है तो अखिलेश ने बेवकूफी में उपचुनावों के उम्मीदवारों की एकतरफा घोषणा की। और नोट रखें यूपी उपचुनावों में अखिलेश को झटका लगेगा। वही दिल्ली के अगले विधानसभा चुनाव में आप का हारना गारंटीशुदा है!

क्यों? इसलिए कि औसत हिंदू वोटर की थाली के रसोईये, नरेंद्र मोदी से मोहभंग है, वह मान रहा है कि खाने के नाम पर कंकड़ या कडुआ कचरा है जबकि यह सत्य होते हुए थाली का मेन कोर्स, रोटी, उसका अनाज क्योंकि हिंदू चिंता है तो उसका वोट ठोस, जमीनी प्रबंधों से जीता देने वाला है। इसलिए राहुल गांधी से लेकर नाना पटोले, तेजस्वी यादव, हेमंत सोरेन, अखिलेश यादव, उमर अब्दुल्ला, उदयनिधि स्टालिन (इंडिया गठबंधन) सबको समझना चाहिए रेवड़ियां, नेता के चेहरे, भाषण अपील, जाति जनगणना, आरक्षण सब थाली में चटनी, सलाद, मीठा, नमकीन हैं। असल जरुरत रोटी, अनाज की है। हिंदू को हिंदू रोटी चाहिए, मुसलमान को मुस्लिम रोटी चाहिए।

सच्चाई इस तरह लिखना खराब है लेकिन हकीकत समझे कि भाजपा का कोर वोट पक्का होता हुआ और धीरे धीरे एक-एक, दो-प्रतिशत के हिसाब से चुनाव दर चुनाव बढ़ता हुआ है, गुजरात के बाद मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा आदि का भी गुजरातीकरण है तो वजह 9/11 से सात अक्टूबर 2023 को हमास के इजराइल पर हमले के सतत प्रभावों से भी है। राहुल, अखिलेश, केजरीवाल, हुड्डा, जम्मू के कांग्रेसियों ने नहीं सोचा होगा कि हिजबुल्लाह के चीफ हसन नसरल्लाह पर घाटी में महबूबा, एनसी उम्मीदवार, लखनऊ के मुसलमानों ने स्यापा किया तो हिंदू चुपचाप दिमाग में इजराइल के यहूदियों की जगह अपने को और सामने मुसलमान को समझे हुए था। मेवात का मुसलमान और उसके अगल बगल के गुरूग्राम, फरीदाबाद, अहिरवाल में हिंदू का दिमाग जैसे खड़का वैसे ही जम्मू कश्मीर में हिंदू और मुसलमान के वोट भी खड़के!

और इसका बेबाक प्रमाण यह भी है कि नरेंद्र मोदी हिंदुओं में एकता का भाषण देने लगे। विकसित भारत की जगह नैरेटिव में बंटोगे तो कटोगे के भाषण होने लगे। सो, राहुल गांधी, कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन के आगे पहली जरूरत है कि उसे पहले हिंदुओं का प्रामाणिक रसोईया बनना है और चुपचाप मुस्लिम रसोई भी चलानी है ताकि भारत में सेकुलर राजनीति का स्पेस बना रहे तो दिलों के टूटने से भारत के आगे टुकड़े होने के सिनेरियो में कांग्रेस का बफर, विकल्प140 करोड़ लोगों के आगे मौजूद रहे। इसलिए भारत की रक्षा के हित में जरूरत है गांधी की रामधुनी वाली कांग्रेस जैसे भी हो हिंदुओं दिमाग में बची रहे, बैठे रहे।

यह असल और आवश्यक राजनीति है। दूसरा पहलू जमीनी राजनीति है। अर्थात भीड़ को बूथ तक पहुंचाने के लिए जातियों की गणित, अर्थात अंग्रेजों के बनाए व मोदी-शाह के अपनाए बांटो और राज करो के फार्मूलों को बारीकी से अपनाने, अमल करने की राजनीति। पता नहीं भूपेंद्र हुड्डा, राहुल गांधी, कांग्रेस की जमीनी सर्वे टीम आदि ने क्यों नहीं लोकसभा में तेजस्वी की गलती तथा अखिलेश की इस समझदारी को गांठ में नहीं बांधा कि तेजस्वी ने ज्यादा यादव उम्मीदवार खड़े कर बाकी जातियों को बिदकाया वहीं अखिलेश न कम यादव और मुसलमान उम्मीदवार खड़े कर मोदी-योगी के खिलाफ सर्वजातियों (यादव-मुसलमान तो वोट देने ही थे और दिए भी) के वोट पा कर यूपी में उलटफेर कराया। तभी हुड्डा बाप-बेटे को क्यों जाटों को इतने टिकट बांटने थे? ये कांग्रेस हाईकमान के नाम पर समझदारी से ब्राह्मण, राजपूत, 36 बिरादरी के ज्यादा उम्मीदवार उतारते तो क्या भाजपा की जमीनी रणनीति (जो जाहिर थी) का वह काउंटर नहीं होता?

मगर भूपेंदर सिंह हुडडा, राहुल गांधी का चेहरा, और भीड़ के शोर से कांग्रेस ने मोदी-शाह के जमीनी चुनावी कौशल के आगे वैसे ही चुनाव लड़ा जैसे वह अहमद पटेल के समय से लड़ती आ रही है। मैंने 2002, 2007, 2012 के गुजरात विधानसभा चुनावों के दौरान इसी गपशप कॉलम में कमलनाथ-सुरेश पचौरी, मोहन प्रकाश, सीपी जोशी-गहलोत के कांग्रेस प्रबंधकों की खामोख्याली, इनके द्वारा मोदी-शाह को कमतर आंकने और मोदी की भावना केंद्रित जमीनी बंदोबस्तों से मजे में जीत के अनुमानों पर हर बार लिखा है। एक तरफ इनके कर्ताधर्ता अहमद पटेल तथा दूसरी ओर आडवाणी, सुषमा, जेटली, मोदी से मेरी नॉर्मल हमेशा गपशप रही और मैं देखते हुए था कि कांग्रेस क्यों हर बार चुनाव में हार कर दीवार पर सिर पीट रह जाती है। फिर वह सिलसिला2014 के लोकसभा चुनावों के बाद से है।

कई वजह हैं। पहले सेकुलर सलाहकारों, प्रणय रॉय-राजदीप-हर्ष मंदर जैसे प्रगतिशील, सोशल इम्पावारमेंट वाले एनजीओ-सेकुलरों के मीडिया इकोसिस्टम का नैरेटिव अहमद पटेल-गांधी परिवार को चलाते हुए था और अब उसकी जगह राहुल गांधी के वे सलाहकार हैं, यूट्यूब के सोशल मीडिया का वह इकोसिस्टम है, जो ईमानदारी से नरेंद्र मोदी की असलियत बताता हुआ है लेकिन इन बेवकूफियों का नैरेटिव भी बनाता है कि हरियाणा में मुद्दा किसान-जवान-पहलवान का है। और राहुल, प्रियंका, हुड्डा, तेजस्वी, अखिलेश की भीड़ देखो और जीत नहीं, हवा है, हवा नहीं आंधी है, आंधी नहीं सुनामी है!

भीड़ मोदी की सच्चाई है, भीड़ राहुल की सच्चाई है। इसका प्रतिनिधि सत्य हरियाणा में भाजपा के 39.94 फीसदी और कांग्रेस के 39.09 प्रतिशत की लगभग बराबरी है। पर भाजपा का आंकड़ा हिंदू चिंता से स्थायी-ठोस शक्ल लिए हुए है वहीं कांग्रेस, सपा, राजद, उद्धव, शरद पवार आदि 'इंडिया' एलायंस की पार्टियों का आधार चंचल है। यह चंचलता कभी भी धोखा दे सकती है। मोदी-शाह के जमीनी याकि भीड से बूथ तक के प्रबंधों में विपक्ष का वोट दो-चार प्रतिशत इधर-उधर हुआ या आपस में बंटा तो विपक्ष टूंगता रह जाएगा और थाली भाजपा की। इसलिए कांग्रेस, सपा, राजद, आप, महाराष्ट्र की अघाड़ी पार्टियां (सोचें, चुनाव घोषणा से ठीक पहले महाराष्ट्र में मोदी-शाह वोटों के माइक्रो प्रबंधन में कैसे निर्णय करते-कराते हुए हैं) की एक बेसिक कमी जमीनी बिसात की हकीकतों को नजरअंदाज किए रखना है।

हरियाणा का उदाहरण

सत्य को हरियाणा से समझें। याद करें, मोदी-शाह कब से हरियाणा विधानसभा के चुनाव की चिंता करते हुए हैं? खट्टर की जगह सैनी को मुख्यमंत्री बनाने के निर्णय से पहले से। पीएम ने अपने खास सीएम को बदला। गैर जाट ओबीसी के एक चेहरे को सीएम बनाया। प्रदेश की बड़ी, मुखर और दबंग जात के आगे छोटी-छोटी जातों का मैनेजमेंट बनाया। भक्त वोटों को बूथ पर पहुंचाने के लिए, एक-एक सीट की माइक्रो बिसात-मैनेजमेंट पर मोदी-शाह का फोकस था।

इस बारीक बात को नोट करें कि लोकसभा चुनाव तक नरेंद्र मोदी सौ फीसद अपने भगवान होने, अपने जादू-करिश्मे के आधार पर चुनाव जीतने की जिद्द बनाए हुए थे। मुंह की खाई तो सबक सीखा और बांटो-राज करो में धर्म और जात से वोटों का मैनेजमेंट शुरू किया। कांग्रेस की हर कमी को समझा। उसके लोगों को तोड़ा। कांग्रेसी के बागियों को हवा दी। दलित सैलजा को मोहरा बनाया। हुड्डा, हुड्डा, जाट हुड्डा का हल्ला बनवाया। दलित वोटों को बिखेरने, बरगलाने के लिए बसपा और चंद्रशेखर आजाद की पार्टी का प्रत्यक्ष-परोक्ष उपयोग किया। एक-एक सीट पर इतने ज्यादा उम्मीदवारों, पार्टियों की भीड़ बनवाई कि बूंद-बूंद की लड़ाई बनी। राम-रहीम को छोड़ा, उसके वोट पटाए।

ऐसे ही जाट विरोधी हर उस जाति में हवा भरी, जिससे भूपेंद्र, फिर दीपेंद्र के लंबे जाट राज की कल्पनाओं की बाकी जातियों में बेचैनी बनी। फिर आखिरी तीन दिनों में अचानक वह हर बंदोबस्त किया, जिससे मतदान के दिन घर बैठे भाजपा के वोटों को लिवाने के लिए गाड़ियां गईं। नतीजतन दोपहर तक कम मतदान के हल्ले के बाद घरों से लोगों को निकलवाने, वोट पड़वाने का भाजपा प्रबंधन तयशुदा रणनीति में था। इसके बाद भी मोदी-शाह ने कमी नहीं रखी। यह कोई नई बात नहीं है, हमेशा होता है सत्तारूढ़ पार्टी उन जिलों, उन सीटों की लिस्ट हमेशा बनाए रखती है, जिस पर लोकल प्रशासन, डीएम आदि के जरिए कुछ सौ, कुछ हजार वोटों की हेराफेरी की जाती है। खासकर अब यह इसलिए सहज, आसान है क्योंकि यों भी चुनाव आयोग मोदी-शाह के आगे नतमस्तक है!

सो, एक तरफ ग्राउंड जीरो के सघन बंदोबस्त। दूसरी बात ऊपर की हवा, भावनाओं को अपने प्रायोजित ब्लोअरों से स्पीड देना। इसे आकार में बता सकना मुश्किल है। लेकिन मेवात के अगल-बगल के जिलों में कांग्रेस के उम्मीदवारों का जो बुरा सफाया हुआ है और जम्मू कश्मीर में सौ टका जैसा मुसलमान और हिंदू का अलग-अलग वोट पड़ा है, वह क्या बताता है? मोदी-शाह ने घाटी में उग्रवादी इंजीनियर राशिद, प्रतिबंधित जमाते इस्लामी के निर्दलीय उम्मीदवार खड़े करके नेशनल कॉन्फ्रेंस को हराने की जो जमीनी बिसात बिछाई थी उसके वहां परखच्चे उड़े हैं, उन्हे मुसलमानों ने मोदी-शाह के प्रमोटी मान खारिज किया तो जाहिर है कि मतदान से ऐन पहले इजराइल- हिजबुल्लाह की सुर्खियों से दिल-दिमाग में बवाल बना।

इस सबको क्या कांग्रेस मुख्यालय, राहुल गांधी, अखिलेश, केजरीवाल, हुड्डा, पटोले, जयराम एंड पार्टी सोचते हुए हो सकती है? या वह इकोसिस्टम समझ सकता है जो इस खामोख्याली में था कि माइक के आगे हर कोई तो भाजपा के खिलाफ बोल रहा है या मुद्दा तो किसान, जवान, पहलवान का है।

ईमानदारी से सोचें, और चार महीने से पूरा देश यह जानते हुए है कि नरेंद्र मोदी कम सभाएं कर रहे हैं। पहले जैसे नहीं दिखते हैं। बावजूद इसके हरियाणा में वे कैसे जीते? नई एप्रोच, लोगों के मनोभाव और जमीनी हकीकत की सावधानियों की वजह से। खट्टर को हटा कर नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बना, ब्राह्मण को प्रदेश अध्यक्ष बना, जाट बनाम बाकी 36 बिरादरी की राजनीति (हिंदू पंजाबी पहले से हैं) को मोदी-शाह ने चुपचाप जैसे पकाया तो बूझ सकते हैं कि भाजपा के 39.94 फीसदी वोटों में कितना मोदी का करिश्मा था और कितना जमीनी मैनेजमेंट था या वे भावनाएं थीं, जो अंग्रेजों के समय से बांटो और राज करो का हिंदुस्तानी यथार्थ हैं।

विषयांतर हो गया है। असल बात है लोकसभा में कांग्रेस, सेकुलर पार्टियां और विरोधी नेता नरेंद्र मोदी को हारता देखते थे और वे पंक्चर हुए (हारे नहीं) तो माना कि किसान, जवान, पहलवान का बड़ा मुद्दा है, गरीबी-बेरोजगारी-महंगाई की मार है और हुड्डा है तो कांग्रेस (विपक्ष) के लिए रास्ता आसान है!

मगर कांग्रेस और पूरे विपक्ष के लिए मोदी-शाह के रहने तक कभी कुछ आसान नहीं है। इसलिए भी कि जब पूरी दुनिया, दुनिया का हर चुनाव अपना-अपना हिंदू-मुसलमान लिए हुए है तो मोदी-शाह के लिए तो बहुत आसान है जो बंटोगे तो कटोगे से वोट की फसल काटना! मोदी-शाह की देन, कुल योगदान बांटना, काटना है और यही इनका इतिहास होना है। लेकिन राजनीति तो बंटने, कटने की चलती रहेगी। हिंदू बंटोगे तो मरोगे। मुसलमान बंटोगे तो मरोगे। जाटों को बनाओगे तो दलितों मरोगे। हुड्डा को बनाओगे तो गुर्जरों, मालियों, यादवों, बिरादरी वालों सुन लो, पर्चियों में तुम्हारे नाम नहीं होंगे, तुम्हे नौकरियां नहीं मिलेंगी। तुम मरोगे।

हां, हिंदू बनाम मुसलमान, ताकतवर जाति बनाम बाकी जातियों की सियासी मारकाट के साथ तोड़फोड़, खरीद फरोख्त, एकतरफा नैरेटिव तथा मन ही मन जिंदगी के वे सभी भय क्या भस्मासुरी नहीं हैं, जिससे पहले भी सैकड़ों साल हिंदू भयाकुल व गुलाम रहे! भय ही तो बन रहा है। हिमाचल, देहरादून, गाजियाबाद, मेवात के हल्ले से ले कर इजराइल, लेबनान, ईरान की खबरों ने हिंदू दिमाग को कैसा भयाकुल बनाया है तो उससे चुनाव भी प्रभावित होंगे।

बटोगे तो कटोगे!

यह भारत का नया नारा है! मोदी-शाह, संघ का हिंदुओं से नया आह्वान है। राहुल गांधी, उमर अब्दुल्ला, उद्धव ठाकरे, केजरीवाल, अखिलेश, तेजस्वी जैसे विरोधियों की कमान में दुश्मनों की सेना सामने खड़ी है। पानीपत का अखाड़ा सजा हुआ है। सो, उठो, जागो, रोजी-रोटी की चिंता छोड़ो और लड़ने के लिए कमर कसो। युद्ध मैदान में दिल्ली के राजाधिराज, बादशाहों के बादशाह नरेंद्र मोदी हाथी पर बैठे हैं और संदेश दे रहे हैं- हमारी एकता देश की ढाल है। हम बंटेंगें तो बांटने वाले महफिल सजाएंगे। इसलिए कांग्रेस और अघाड़ी की दुश्मन सेना के मंसूबों को कामयाब नहीं होने देना है। उधर मुख्य सेनापति अमित शाह ने चाणक्य नीति, धंधे की नीति में दुश्मनों के मोर्चों में सेंध, तोड़फोड़, खरीद फरोख्त, साम-दाम-दंड-भेद सभी तरीकों से मैदान में सेना सजा दी है।

बस एक ही चिंता है। हिंदुओं के ज्ञात इतिहास के पहले अजैविक भगवान नरेंद्र मोदी का जयकारा कुछ कम लग रहा है। संघ प्रमुख मोहन भागवत चिंता में हैं। उन्होंने भी जून के बाद भगवानश्री का जयकारा नहीं लगाया तो लोगों में शंका बनी। इसलिए वे भी अब मैदान में कूद पड़े है और कह रहे है हम हिंदू राष्ट्र हैं और हमें एकजुट होना होगा। उधर यूपी में योगी आदित्यनाथ का आह्वान है- बटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे तो नेक रहेंगे, सुरक्षित रहेंगे।

मान सकते हैं जम्मू कश्मीर और हरियाणा के चुनाव बंटने, कटने की ओर भारत का अगला कदम है! 23 वर्षों से नरेंद्र मोदी की राजनीति से धीरे ही सही भारत के बंटने, कटने की दिशा की ओर बढ़ते कदम एक के बाद एक ठोस हैं। चाहे इसे इजराइल के साथ भारत के कदमताल की कवायद मानें और चाहे इसे अमित शाह के पानीपत की तीसरी लड़ाई में हिंदुओं के संकल्प का नया मुकाम मानें। और चाहें तो इस नए मौलिक जुमले को संघ और भाजपा परिवार का विजन समझें।

बंटना हरियाणा और जम्मू कश्मीर दोनों जगह दिखलाई दिया। हरियाणा में मुस्लिम बहुल इलाके (चारों सीटें मुसलमान ने जीती) से पैदा हिंदू भय अगल बगल के गुरूग्राम, फरीदाबाद, अहिरवाल क्षेत्र की सभी सीटों पर दिखलाई दिया। कांग्रेस उम्मीदवारों को अहसास ही नहीं हुआ और वे हार गए। उधर श्रीनगर में मुस्लिम बहुल कश्मीर घाटी तथा हिंदू बहुल जम्मू में दोनों इलाकों में यही मंत्र चला कि 'बटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे तो लड़ने में कैपेबल होंगे!

वाह! भारत का दिल और दिमाग। उसे कितना भय चाहिए और कितना बंटना! इसमें नरेंद्र मोदी और अमित शाह का अर्थ नहीं है इनका फैसला तो प्रकृति, समय और इतिहास से अपने आप होगा। लेकिन भारत देश का फैसला तो आंखों देखी होता हुआ है। दिल-दिमाग एकता के नाम पर बिखर रहा है और सुरक्षा के नाम पर हर कोई भयाकुल हो रहा है। लड़ने का आह्वान है और चीन भारत को खाता हुआ, आर्थिक गुलाम बनाता हुआ है। इजराइल और ईरान से दिल, दिमाग के फैसले हो रहे हैं तो भूखे पेट में भी कटने को बकरे तैयार हैं!

कांग्रेस मुख्यालय कितना बिकाऊ?

यों भारत का राजनैतिक इतिहास हिंदुओं के बिकाऊ माल का सत्य लिए हुए है। फिर पिछले दस सालों से हिंदुओं के राष्ट्रवादी, चरित्रवादी मोदी-शाह ने नेताओं के खरीदफरोख्त की जैसी मंडी लगाई है तो कांग्रेस में भी वहीं होगा जो हिंदुओं में होता है। चाल, चेहरा, चरित्र अब क्या होता है! बहरहाल, मैंने हरियाणा की जानकारी में जब सुना कि हुड्डा ने अपने 72 उम्मीदवारों के टिकट कराए हैं तो खटका हुआ! भला ऐसा कैसे, यह गड़बड़ है। कांग्रेस के खांटी जानकारों से मालूम किया तो राहुल गांधी-मल्लिकार्जुन खड़गे की कांग्रेस में नई दुर्दशा मालूम हुई। कांग्रेस मुख्यालय अब नासमझ, बिकाऊ और नोसखियों से ऐसा भरा है कि मोदी-शाह, अडानी-अंबानी के लिए यहां के चेहरों को खरीदना, ब्लैकमेल करना, गलत उम्मीदवार खड़े करवाना, राहुल-प्रियंका को बहकाना चुटकियों का काम है। कुछ वैसी ही दशा जैसे बसपा, सपा, राजद आदि उन पार्टियों में है, जहां भाजपा जब चाहे तब उसके नेता या पार्टी तोड़ लेती है। हरियाणा के चुनाव में कांग्रेस के संभावित उम्मीदवारों के चेहरों की भाजपा को खबर थी। उसी अनुसार उसने सीटवार बिसात बिछाई।

सच है हुड्डा परिवार की जाटों पर पकड़ है। इसी कारण कांग्रेस को वोट अच्छे मिले। मगर हुड्डा की ताकत जाट वोट है तो केवल जाटो से बेड़ा पार नहीं होता है, यह सच्चाई हुड्डा और कांग्रेस मुख्यालय को क्या नहीं मालूम थी? सो पहली गलती भूपेंद्र सिंह हुड्डा की। उन्होंने मुंगेरीलाल के ख्यालों (अशोक गहलोत, भूपेश बघेल, कमलनाथ आदि की लीक पर) में अपने वापिस सीएम बनने और फिर बेटे के सीएम की प्लानिंग में पूरी लड़ाई अकेले अपने कंधों पर ली। कांग्रेस मुख्यालय को खरीदा, पटाया। राहुल गांधी के सर्वाधिक भरोसेमंद कांग्रेस संगठन महासचिव वेणुगोपाल, उम्मीदवार सर्वेयर सुनील कनुगोलू, जयराम रमेश, प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया, प्रदेश अध्यक्ष उदयभान, प्रियंका गांधी और राहुल गांधी के स्टाफ को जेबी बनाया।

इस नाते मोदी-शाह बनाम कांग्रेस का बेसिक फर्क है कि मोदी-शाह के कई सर्वे करने वाले हैं, उम्मीदवारों की कई ओर से लिस्ट आती है। ये सूचियां दो (मोदी-शाह) के अलावा किसी तीसरे से शेयर नहीं होती हैं। राहुल गांधी ने अकेले कर्नाटक की जीत में एक सर्वेक्षक सुनील कनुगोलू पर फिदा हो कर अकेले उसे सारा ठेका दे रखा है। उसका कर्नाटक में कैबिनेट का दर्जा करवाया। जबकि मोदी-शाह ऐसे सर्वेक्षक फन्ने खां को जूतियों की नोंक पर रखते हैं।

बहरहाल, कांग्रेस की सर्वे टीम ने हरियाणा को लेकर भी लिस्ट बनाई। संभावित उम्मीदवारों की पैनल की लिस्ट राहुल गांधी के राजनीतिक मैनेजर, संगठन महासचिव वेणुगोपाल के पास गई और खेला हुआ। वेणुगोपाल ने पैनल हुड्डा खेमे को शेयर की। स्वाभाविक जो भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने अपनी लिस्ट के वफादार नामों के अलावा बाकी जो नाम वेणुगोपाल के यहां टॉप पर थे उन्हे एक-एक करके बुला कर उन पर अपना हाथ रखा। उनका टिकट कराने की बात कर उनकी वफादारी बनाई। हुड्डा ने उनके नाम अपनी लिस्ट में जोड़ या हाईकमान की संभावी लिस्ट में शैलजा के बेहद करीबी उम्मीदवारों को चिन्हित कर उन्हें कटवाने की दलीलें बनाईं या वेणुगोपाल एंड पार्टी को तैयार किया। ध्यान रहे उनकी पैरोकार प्रियंका गांधी भी रही हैं।

इसलिए जब राहुल गांधी, खड़गे अपनी लिस्ट (सुनील-वेणुगोपाल द्वारा ही बनाई हुई) लेकर चुनाव समिति की बैठक में प्रदेश नेताओं के साथ बैठे तो राहुल गांधी को ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं थी। हुड्डा की लिस्ट, प्रदेश की लिस्ट व कांग्रेस मुख्यालय, राहुल, खड़गे की लिस्ट में कॉमन नाम ही अधिक थे। इसलिए यह हल्ला सही था कि हुड्डा के करीबी 72 उम्मीदवार तय हुए। मतलब राहुल गांधी, वेणुगोपाल, हुड्डा किसी ने भी दिमाग नहीं लगाया कि जो उम्मीदवार तय कर रहे हैं वह कांटे के मुकाबले में जमीनी लड़ाई में समर्थ है या नहीं? सर्वे टीम ने भी जो मूल पैनल बनाई क्या वह कांग्रेस के अंदरूनी भ्रष्टाचार, टिकटार्थियों के भ्रष्टाचार से तो प्रभावित नहीं है? कांग्रेस जो उम्मीदवार तय कर रही है उनके आगे भाजपा के उम्मीदवार चेहरों, जात-धर्म समीकरणों और बागियों जैसे फेक्टर में पार्टी क्या करती हुई होगी, सीट पर कैसा रियल मुकाबला बनेगा? इसका कांग्रेस मुख्यालय में कोई सिनेरियो, हिसाब नहीं!

जाहिर है कांग्रेस में वेणुगोपाल (कांग्रेस के संगठन महासचिव) का रोल भस्मासुर वाला है, यह मध्य प्रदेश, छतीसगढ़, राजस्थान से ले कर हरियाणा के कांग्रेसियों के अंदरूनी अनुभवों में बार-बार सुनाई दे रहा है। वे राहुल गांधी के आंख-कान-नाक सब हैं। उनके घर-ऑफिस के मैनेजमेंट में राजनीति का एक अकेला एक्सेस प्वाइंट वेणुगोपाल हैं। और वेणुगोपाल-जयराम रमेश दोनों मल्लिकार्जुन खड़गे को बाईपास करने तथा राहुल के सामूहिक विचार-विमर्श में अड़ंगे की रणनीति बनाए हुए हैं। कांग्रेस मुख्यालय में नैरेटिव में जयराम रमेश तथा संगठन और राजनीति के सर्वेसर्वा वेणुगोपाल हैं। मैं अब जिस उम्र में हूं, उसके नाते मुझे इनका चरितनामा, और हाल में जो सुना है वह नहीं लिखना चाहिए। लेकिन इतना समझ आता है कि मोदी-शाह के लिए इन दोनों का टेंटुआ दबाना मुश्किल नहीं है। जबकि ऐसा मल्लिकार्जुन खड़गे व राहुल गांधी को ले कर कतई नहीं है। केवल खड़गे और राहुल ही दो ऐसे चेहरे लगते हैं जो न डरेंगे, न बिकेंगे और न थकेंगे।

लेकिन बाकी सब मोदी-शाह, उनकी मशीनरी, उनकी राजनीति की बिसात के प्यादे माफिक हैं। मोदी सरकार ने सभी विरोधी पार्टियों और उनके पदाधिकारियों पर निगरानी, उनमें भेदिए बनाने के वे सब तौर-तरीके अपनाए हुए हैं, जिससे भाजपा हमेशा बीस है! हरियाणा में सैलजा सीएम के लिए बेताब नहीं थीं। सिर्फ उनके एक-दो उम्मीदवारों के टिकट नहीं होने का मसला था। वे कई दिन कोप भवन में रहीं लेकिन वेणुगोपाल, जयराम आदि किसी ने राहुल गांधी को तुरंत जा कर मनाने की सलाह नहीं दी। जबकि भाजपा ने तुरंत मौका लपका। दलित वोटों में हल्ला बना दिया। दलितों में प्रचार हुआ कि सोचें जब सैलजा को भी नहीं पूछ रहे हैं तो जाटों के राज में दलितों का क्या होगा? ठीक विपरित भाजपा के अनिल विज ने सैनी के मुकाबले मुख्यमंत्री की दावेदारी ठोकी तो कुछ ही मिनटों में भाजपा प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान, फिर अमित शाह ने विज को हड़काया और सैनी का ही नाम दोहराया!

ये छोटी, छोटी बातें हैं, लेकिन मोदी-शाह के आगे एक-एक बूंद, एक-एक वोट को एकत्र करने की राहुल गांधी और विपक्षी नेताओं की चुनौती में इन्हीं बातों को ध्यान में रखने की जरूरत है। अन्यथा यह होता रहेगा कि विपक्ष हरियाणा जीत रहा है और अचानक हरियाणा गया, झारखंड गया, दिल्ली गया, यूपी व बिहार गया।

व्यंग्य -

रावण बुलाता मीडिया,
उठता सबके बीच प्रश्न
इंटरनेशनल आख़बारो में छाया यही प्रसंग ।
आज फिर दशहरे पर,
मुझे अग्नि में जलाओगे
दाह बुराई का करने ,
बोलो किस रावण को बुलाओगे ।।
राम तो होंगे नही व्यक्तिव में ,
फिर क्या अब तुम ढोंग रचाओगे ।
बुराई का अंत करने के लिए
कहो फिर किस नेता को बुलाओगे
।।
रावण को ही नही जलाना हैं,
हमें बुराई का भी दहन करना होगा
।।

आशी प्रतिभा (स्वतंत्र लेखिका)
ग्वालियर,मध्य प्रदेश (भारत)

पत्नी की हत्या करने वाले आरोपी पति पर सीपत पुलिस का प्रहार

पत्नी द्वारा खाना बनाने से मना करने पर आरोपी पति ने कर दी हत्या, सीपत पुलिस के सक्रियता एवं तत्परता से आरोपी को किया गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त टंगिया एवं लकडी का डंडा बरामद

गिरफ्तार आरोपी-1.रामफल शिकारी पिता सिरसी लाल शिकारी उम्र 40 साल निवासी मटियारी थाना सीपत जिला बिलासपुर छ.ग. बिलासपुर। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है दिनांक

11.10.2024 को ग्राम मटियारी में रामफल शिकारी के द्वारा अपनी पत्नी मुमताज शिकारी का दोनो के बीच आपस में झगडा विवाद होने से टंगिया एवं लकडी के डंडा से मारपीट कर सिर एवं हाथ में गहरा चोंट पहूंचाने से मृत्यु कारित किया। जिस पर थाना सीपत में अपराध क्रमांक 503/2024 धारा 103(1) बीएनएस की अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। अपराध की गंभीरता को देखते हुये आरोपी की पता साजी हेतु वरिष्ठ अधिकरियों के मार्गदर्शन में त्वरित टीम गठित कर आरोपी रामफल शिकारी को हिरासत में लिया गया। आरोपी रामफल शिकारी शराब पीया हुआ था अपनी पत्नी मुमताज शिकारी को खाना बनाने के लिये कहने पर, मुमताज के द्वारा खाना बनाने से मना करने, पर दोनो में आपस में विवाद एवं लडाई झगडा होने से आरोपी रामफल शिकारी के द्वारा घर में ही रखे टंगिया एवं लकडी के डंडा से हमला कर सिर एवं हाथ में गहरा चोंट पहूंचाकर पत्नी की हत्या कर दिया। आरोपी रामफल शिकारी को गिरफ्तार किया गया है व अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी निलेष पाण्डेय, सउनि धर्मेंद्र यादव, शिव सिंह बक्साल, युगल शर्मा, प्र आर कौषल वस्त्रकार, आरक्षक आकाष मिश्रा, शरद साहू, भूपेंद्र पटेल, लक्ष्मण चंद्रा, प्रकाष जगत, म आर प्रियंका मिश्रा का विषेष योगदान रहा।

देवी दुर्गा की शक्ति और उनके साहस को समर्पित है जो पूरे देश में भक्ति, हर्षोल्लास और सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक है : भाजपा किसान नेता अशवंत तुषार साहू

महासमुंद । जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक - 1 में मां भगवती के नौवें स्वरूप सिद्धिदात्री का आशीर्वाद लेने ग्राम शेर, लभरा खुर्द, सालहेभाटा,धनसूली, मोगरा, कनेकेरा, भलेशर, नयापारा, में पूजा अर्चना कर जगत जननी से समस्त क्षेत्र वासियों के सुख-सौभाग्य और समृद्धि के लिए प्रार्थना किया, क्षेत्र के लोगों से भेंट कर कुशल क्षेम जाना भाजपा किसान नेता अशवंत तुषार साह अपने उद्बाटन में कहा हिंदू धर्म में नवमी का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है। इसे महानवमी कहा जाता है और यह नवरात्रि का अंतिम दिन होता है, जो देवी दुर्गा की उपासना का प्रतीक है। इस दिन मां दुर्गा के सिद्धिदात्री स्वरूप की पूजा की जाती है, जिन्हें सभी सिद्धियों की देवी माना जाता है। महानवमी भारत के विभिन्न हिस्सों में उनकी सांस्कृतिक और धार्मिक विविधताओं के अनुसार अलग-अलग तरीकों से मनाई जाती है। देवी दुर्गा की शक्ति और उनके साहस को समर्पित है जो पूरे देश में भक्ति, हर्षोल्लास और सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक है।

हरियाणा में भाजपा की जीत की हैट्रिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनता जनार्दन के अटूट विश्वास की मुहर - भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव

जगदलपुर। हरियाणा विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की शानदार जीत व लगातार तीन बार विजयी होने की हैट्रिक बनाने की भाजपा कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को जमकर खुशियाँ मनायी और आतिशबाजी की। भाजपा जिला कार्यालय में भारी संख्या में एकत्रित कार्यकर्ताओं ने हरियाणा की जीत पर बकायदा हरियाणवी जलेबी खिला कर एक दूसरे का मुंह मीठा कराया और लोगों को भी जलेबियां खिलायी। हरियाणा में भाजपा की जबरदस्त जीत के जश्न में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक किरण देव भी शामिल हुये। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को भाजपा की जीत पर बधाई देते हुये जलेबियां खिलाई। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने हरियाणा के चुनाव नतीजों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कहा कि यह भाजपा की डबल इंजन की सरकार की हरियाणा में दस वर्षों के किये गये कार्यों की जीत है। हरियाणा की जनता ने भाजपा सरकार की योजनाओं, जनहित के कार्यों व सफलतम सरकार के कामकाज पर विजय की मुहर लगायी है और भाजपा को हरियाणा में निरंतर तीन बार विजयी होने की हैट्रिक दिलायी है। लगातार तीसरी बार हरियाणा की जनता-जनार्दन ने भाजपा के प्रति अपना अगाध विश्वास व्यक्त किया है। एग्जिट पोल को लेकर अति उत्साही कांग्रेसियों को हरियाणा के एक्जेक्ट पोल ने आईना दिखा दिया है। इन नतीजों के जरिए हरियाणा ने कांग्रेस के संविधान और आरक्षण को लेकर दोहरे राजनीतिक चरित्र पर सीधी चोट की है। श्री देव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास के नित-नए आयाम गढ़ रहा है, विश्व-पटल पर अपनी प्रखर भूमिका का निर्वहन करते हुए 2047 तक विकसित भारत के संकल्प की पूर्ति की दिशा में आगे बढ़ रहा है, हरियाणा के ये चुनाव नतीजे प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व पर जनता-जनार्दन के अटूट विश्वास की मुहर है। श्री देव ने कहा कि कांग्रेस जाति और धर्म के आधार पर जिस विभाजनकारी टूलकिटिया एजेंडे पर काम कर रही है, हरियाणा ने भी उसे पूरी तरह खारिज कर दिया है। भाजपा की ऐतिहासिक जीत को गांव-गरीब-किसान-मजदूर और युवाओं की जीत निरूपित करते हुए श्री देव ने कहा कि देश के अन्य राज्यों की तरह ही हरियाणा की जनता ने भी आज कांग्रेस रूपी अभिशाप से मुक्त रखकर विकास का मार्ग चुन लिया है। भाजपा की जीत के जश्न में भाजपा जिला अध्यक्ष रूपसिंह मण्डावी, इंदर चोपड़ा,विद्याशरण तिवारी, मनीराम कश्यप, योगेन्द्र पाण्डेय, श्रीनिवास मिश्रा, वेदप्रकाश पाण्डेय, महापौर सफीरा साहू, रजनीश पाणिग्रही, नरसिंह राव, आलोक अवस्थी,नगर मण्डल अध्यक्ष सुरेश गुप्ता, सतीश सेठिया, राजेन्द्र बाजपेयी,आर्येन्द्र आर्य, संग्राम सिंह राणा, अविनाश श्रीवास्तव, राजपाल कसेर, दिगम्बर राव, मोतीराम बघेल, यशवर्धन राव,प्रकाश झा, शशिभूषण रथ, मनीष पारेख, दंतेश्वर राव, राधेश्याम पन्दे,नीलांबर सेठिया, राधे सेठिया, सूर्य भूषण सिंह, गोविन्द ईनाणी, आशू आचार्य, अभिषेक तिवारी, सुरेश कश्यप, दिलीप झा, संजय विश्वकर्मा, कमल पटवा, प्रकाश रावल, लखीधर बघेल, मुरली सेठिया, मनोज ठाकुर आदि सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

वैदिक मंत्रोच्चारों के बीच प्रभारी मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने किया शस्त्र-पूजन

कलेक्टर व एसपी ने भी यज्ञ में आहुतियाँ देकर किया शस्त्र -पूजन

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर/ अधर्म पर धर्म की विजय के प्रतीक विजयादशमी पर्व पर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एवं शिवपुरी जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने पुलिस लाइन में शक्ति, साहस और विजय के प्रतीक के रूप में शस्त्रों का पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विजयादशमी पर शस्त्र पूजन का महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व है, जो हिंदू सनातन परंपरा से जुड़ा हुआ है। यह व्यक्ति को उसके कर्तव्यों के प्रति जागरूक करता है और अधर्म के खिलाफ लड़ने की शक्ति और प्रेरणा प्रदान करता है।ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि मैं भारतीय सनातन संस्कृति में गहरे तक रची-बसी प्राचीन शस्त्र- पूजन परंपरा के अनुरूप दशहरा पर्व पर शिवपुरी में उत्साह, उमंग व धूमधाम के साथ शस्त्रों की पूजा की गई।उल्लेखनीय है प्रदेश सरकार द्वारा इस वर्ष का दशहरा पर्व महिला सशक्तिकरण और सुशासन की प्रतीक लोकमाता देवी अहिल्याबाई को समर्पित किया गया है। देवी अहिल्याबाई ने देश भर में जन-कल्याण के अनेक महती कार्य संपन्न करवाए। इन कार्यों की स्मृति और देवी अहिल्याबाई के योगदान से आज की पीढ़ी को अवगत करवाने और उनके सम्मान में दशहरा पर्व पर शस्त्र-पूजन के कार्यक्रम आयोजित किये गए। इस अवसर पर शिवपुरी विधायक देवेंद्र जैन, कोलारस विधायक महेंद्र यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव, कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी, एसपी अमन सिंह राठौड़, डीएफओ सुधांशु यादव सहित समस्त प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने भाग लिया।शिवपुरी पुलिस लाइन में आयोजित हुए कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर सहित वरिष्ठ प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों ने सनातन संस्कृति के विधि- विधानों के अनुसार वैदिक मंत्रोच्चारों के बीच पवित्र यज्ञ में आहुतियाँ देकर शस्त्र पूजन किया। इसके बाद मंगल आरती की गई।

सांसद शिवमंगल सिंह तोमर के मुख्य आतिथ्य में वैदिक मंत्रोच्चारों के बीच पुलिस लाइन मुरैना में हुआ शस्त्र-पूजन

चम्बल रेंज के पुलिस महानिरीक्षक श्री सुशांत सक्सेना भी हुए शस्त्र-पूजन में शामिल

पुलिस अधीक्षक और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने भी यज्ञ में आहुतियाँ देकर किया शस्त्र पूजन

जिले में उत्साह, उमंग व धूमधाम के साथ मनाया गया दशहरा पर्व

ब्यूरो
पुष्पांजली टुडे

मुरैना / भारतीय सनातन संस्कृति में गहरे तक रची-बसी प्राचीन शस्त्र- पूजन परंपरा के अनुरूप दशहरा पर्व पर मुरैना में उत्साह, उमंग व धूमधाम के साथ शस्त्रों की पूजा की गई। यहां पुलिस लाइन मुरैना में पुलिस शस्त्रागार में सांसद श्री शिवमंगल सिंह तोमर की विशेष उपस्थिति में जिले का मुख्य शस्त्र-पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। चंबल रेंज के पुलिस महानिरीक्षक श्री सुशांत सक्सेना, पुलिस अधीक्षक श्री समीर सौरभ, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अरविंद ठाकुर भी शस्त्र-पूजन में शामिल हुए।बुराई पर अच्छाई की जीत के महापर्व विजय दशमी पर पुलिस लाइन में आयोजित हुए कार्यक्रम में सांसद श्री शिवमंगल सिंह तोमर व अधिकारियों ने सनातन संस्कृति के विधि-विधानों के अनुसार वैदिक मंत्रोच्चारों के बीच पवित्र यज्ञ में आहुतियाँ देकर शस्त्र पूजन किया। इसके बाद मंगल आरती की गईं। ज्ञात हो कि इस वर्ष मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर प्रदेश में दशहरा पर्व सरकार और समाज मिलकर धूमधाम के साथ मना रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा लिए गए निर्णय के तहत प्रभारी मंत्री के प्रतिनिधि के रुप में सांसद श्री शिवमंगल सिंह तोमर की मौजूदगी में इस साल दशहरा पर्व पर पुलिस लाइन मुरैना में शस्त्र-पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रदेश सरकार द्वारा इस वर्ष का दशहरा पर्व महिला सशक्तिकरण और सुशासन की प्रतीक लोकमाता देवी अहिल्याबाई को समर्पित किया गया है। देवी अहिल्याबाई ने देश भर में जन-कल्याण के अनेक महती कार्य संपन्न करवाए। इन कार्यों की स्मृति और देवी अहिल्याबाई के योगदान से आज की पीढ़ी को अवगत करवाने और उनके सम्मान में दशहरा पर्व पर शस्त्र-पूजन के कार्यक्रम आयोजित किये गए।

नवरात्रि के उपलक्ष में सेवा भारती महानगर द्वारा गरबा डांडिया का कार्यक्रम संघ कार्यालय में हुआ आयोजित

महेंद्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर। नवरात्रि के उपलक्ष में सेवा भारती महानगर द्वारा गरबा डांडिया का कार्यक्रम संघ कार्यालय में 11 अक्टूबर को किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सरस्वती शिशु मंदिर बादलगढ़ की प्राचार्य मनीषा शर्मा और महिला पतंजलि योग समिति की जिला प्रभारी नेहा पटेल रही मुख्य अतिथियों का स्वागत करुणावैद्य और मृणालिनी चौहान ने किया इसमें दोनों अतिथियों ने नारी शक्ति और योग से संबंधित अपने विचार भी प्रकट किए इस कार्यक्रम में मंच संचालन का कार्य डॉक्टर यामिनी सक्सेना ने किया इस कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवा भारती महानगर महिला मंडल संयोजिका गीता उपाध्याय ने किया इस कार्यक्रम मैं गरबा डांडिया करने वाली बहनों ने बहुत ही उत्साह पूर्वक अपनी प्रस्तुति दी इस कार्यक्रम में बहनों को पुरस्कार भी विपरीत किए गए जिसमें गरबा क्वीन खुशी पाल बेस्ट एनर्जी पूजा बाथम बेस्ट ड्रेस अप बुलबुल बेस्ट स्माइल खुशी शर्मा और सरप्राइज गिफ्ट हर्षिता मोरे को दिया गया इस कार्यक्रम में ऑडियंस राउंड भी हुआ जिसमें नीरज कुलश्रेष्ठ विजय रही वेस्ट कोरियोग्राफर शिखा भटनागर का भी सम्मान किया गया कार्यक्रम में आभार गीता उपाध्याय ने किया।

नई सियासत में ठंड रखने की जरूरत

देश में 8 अक्टूबर से नयी सियासत शुरू हो गयी है । चुनावी मानसून जा रहा है ,सर्दी आ रही है। ऐसे में सभी दलों के नेताओं को % ठंड % रखने की जरूरत है ,लेकिन दुर्भाग्य ये है कि इस समय देश में किसी भी दल में एक भी ऐसा सर्वमान्य नेता नहीं है जो सभी से कह सके-ठंड रखो भाई ठंड । देश की सियासत पर लिखना नंगी तलवार पर चलने जैसा है। जरा से फिसले की जख्मी हुए। सियासत की तलवार समस्यों का खत्मा करने के बजाय एक-दूसरे का खत्मा करनेमें लगी है । हर बार लगता है कि हम सुधर रहे हैं,लेकिन हार बार हमारे कयास गलत निकलते है। तब कहना पड़ता है -

रग-रग में नफरत घुल गयी जमाने की
होड़ लगी है केवल गाल बजाने की

सब जानते हैं कि नफरत मनुष्यता की सबसे बडी दुश्मन है ,लेकिन कौन है जो इससे बचा है । भारतीय राजनीति में तो नफरत अभी केवल एक दशक पुरानी है ,दुनिया में जो बड़ी शक्तियां हैं उनके बीच तो ये नफरत सनातन है। इस नफरत को मुहब्बत से दूर किया जा सकता है ,किन्तु नफरत के बाजार में मुहब्बत की दुकाने खुलते ही उनके ऊपर ताले जड़ दिए जाते हैं। इसके लिए जनता नहीं बल्कि हमारे नेता जिम्मेदार हैं। उनकी जबान और जुबान दोनों नफरत में डूब चुकीं है। प्रकृति में होने बदलाव की खबर तो मौसम विभाग से मिल जाती है लेकिन सियासत में होने वाले बदलाव की खबर देने वाला कोई विभाग अभी तकबना ही नहीं है। मौसम विभाग की खबर है कि राजधानी में शुक्रवार को तापमान में सीजन की पहली बड़ी गिरावट देखी गई। न सिर्फ न्यूनतम तापमान बल्कि अधिकतम तापमान में भी गिरावट आई। कई इलाकों में तापमान 20 डिग्री से भी नीचे पहुंच गया। इन इलाकों में हल्की ठंड का अहसास होने लगा है। आने वाले दिनों में ठंड और अधिक तेजी से बढ़ सकती है। उंचाई वाले पहाड़ी इलाकों से आ रही ठंडी हवाओं की वजह से तापमान में यह गिरावट हो रही है। देश की जनता ऐसी ही ठंडक पूरे देश में देखना चाहती है। दुर्भाग्य ये है कि हरियाणा और जम्मू-काश्मीर विधान सभाओं कि चुनावों कि बाद देश की सियासत में गर्माहट बढ़ गयी है ,जबकि बड़ना चाहिए थी ठंड। पता नहीं क्यों कोई ठंड रखना ही नहीं चाहता। सबके दिमाग में गर्मी चड़ी हुई है। कोई इस गर्मी का इलाज करने और करवाने कि लिए राजी नहीं है। सियासी दिमागों की गर्मी का ड़मयाड़ा

भुगतना पड़ता है अंततोगत्वा देश की जनता को। दिल्ली की तरह उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ का मौसम बदलने को तैयार ही नहीं है । यहां सर्दी कि बजाय गर्मी दस्तक देती दिखाई दे रही है। लखनऊ कि गोमतीनगर स्थित जेपी एनआईसी जाकर जयप्रकाश नारायण को श्रद्धांजलि दिए जाने को लेकर शुरू हुआ सियासी बवाल आप सभी कि सामने है । सुरक्षा कारणों का हवाला देकर जब यूपी की योगी सरकार ने शुक्रवार को लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती के मौके पर एसपी मुखिया अखिलेश यादव को जेपी एनआईसी जाने से रोका तो अखिलेश ने अपने घर के आगे ही जेपी की मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। अखिलेश ने कहा कि समाजवादी लोग जेपीएनआईसी में जाकर जयप्रकाश नारायण को श्रद्धांजलि देने जाते थे, पता नहीं क्या कारण है कि सरकार हमें रोक रही है,। उन्होंने कहा कि यह विकासवादी नहीं, विनाशकारी सरकार है।जबकि योगी सरकार केमंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि, राज्य सरकार अखिलेश यादव की सुरक्षा को लेकर चिंतित है. बारिश का मौसम है और उस जगह की सफाई नहीं हुई है, इसलिए कुछ भी हो सकता है। यूपी में इस गर्मी की वजह कुछ और है,दरअसल वहां विधानसभा की 10 सीटों के चुनाव होने है। देश में जब-जब चुनाव आते हैं तब-तब ठंड के बजाय गर्मी बड़ती है ,भले ही चुनाव किसी भी मौसम में कराये जाएँ। हरियाणा और जम्मू -काश्मीर के विधान सभा चुनाव और यूपी के विधानसभा उपचुनाव का सियासी महत्व एक जैसा है। इन विधानसभा चुनावों में हार-जीत का भाजपा और समाजवादी पार्टी की साख पर तो असर पड़ता है है ,साथ ही देश की समूची विपक्षी राजनीति भी इनसे प्रभावित होती है। यूपी आम चुनावों से ही सत्तारूड़ दल को आर्तकित करने लगा है। एक जमाने में जैसे बिहार ने श्रीमान लालकृष्ण आडवाणी का रथ रोका था वैसे ही जून में यूपी ने माननीय मोदी जी का रथ रोक दिया था,अन्यथा वे आसानी से 400 पर का नारा सार्थक कर सकते थे। राजनीति के मिजाज में आजकल पहलवानों का जलजला है। हरियाणा विधानसभा चुनाव में भले ही कांग्रेस की सरकार नहीं बनीं लेकिन ओलम्पियन पहलवान विनेश फोगट विधायक जरूर बन गयी । यूपी में तो समाजवादी दल पहलवानों से भरा पड़ा है । इस दल के संस्थापक स्वर्गीय मुलायम सिंह जी स्वयं एक पहलवान थे। राजनीती में गौधन,गजधन,बाजधन और काळा धन के साथ ही बाहुबल भी बड़े काम की चीज है। ये लोकसभा चुनावों में प्रमाणित हो चुका है। हमें उम्मीद करना चाहिए कि यूपी के विधानसभा उपचुनावों से सियासत में भी गुलाबी ठंड का असर दखेगा। हम और आप केवल उम्मीद कर सकते हैं,बाड़ी का काम तो नेताओं को ही करना है। ऐसे में हमें सियासी मौसम का अनुमान लगाने वाले राम विलास पासवान की बहुत याद आती है । देश में जबसे नमकीन के पैकेट्स में ड्रग्स का कारोबार होने लगा है तब से एक अलग तरह की गर्मी बड़ रही है । ड्रग्स का कारोबार तिरुपति के विवादास्पद प्रसादम से भी बड़ा है। दिल्ली में पकड़ी गयी ड्रग्स तो केवल 8 हजार करोड़ की है। हमारी सियासत और सत्ता को दर्ज के कारोबार से कभी कोई आपत्ति नहीं रह। यदि रही होती तो गुजरात में मुद्रा पोर्ट पर पकड़ी गयी ड्रग्स की महाखेप के बाद कोई न कोई तो नपता ड़ कोई नहीं नपा इसीलिए ड्रग्स के कारोबारियों ने गुजरात से निकलकर भोपाल में अपना कारखाना खोल लिया। लगता है कि अब सियासत में नफरत का नशा ज्यादा असर नहीं कर रहा,इसीलिए अब ड्रग्स को प्राथमिकता दी जा रही है। बहरहाल बात मौसम की हो रही है । मैंने तो राजधानी में ठंड की दस्तक सुनते ही अपने गर्म कपड़ों को धूप दिखाना शुरू कर दी है । आप भी इस मौसम में एहतयात बरतिए ,अन्यथा खांस द्व,जुकाम ,नजला हो सकता है। अपना ख्याल रखिये ।

ञ्च राकेश अचल

विशाल ददलानी ने सलोनी साज़ की तारीफ़ की

जाने-माने गायक विशाल ददलानी ने सिंगिंग रियलिटी शो, इंडियन आइडल की प्रतियोगी सलोनी साज़ की तारीफ़ की है। सिंगिंग रियलिटी शो, इंडियन आइडल, का सीजन 15 सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर वापस आ रहा है। ऑडिशन के दौरान न केवल अविश्वसनीय गायन प्रतिभा वाले बल्कि प्रेरणादायक कहानियों वाले बहुत सारे प्रतियोगी नज़र आए। ऐसा ही एक अद्वितीय प्रतिभागी है 23 साल की दिल्ली की सलोनी साज़, जिनकी आवाज़, व्यक्तित्व और आभा सबसे अलग है। सलोनी के 'बिल्लो रानी' (फिल्म 'धन धना धन गोल' से) पर किए गए प्रदर्शन ने जजों को उनकी विशेष और भारी आवाज़ पर ध्यान देने के लिए मजबूर कर दिया। सलोनी ने यह भी बताया कि कई लोग उनकी आवाज़ को मर्दाना कहकर आलोचना करते हैं। उनके सोशल मीडिया पर भी अधिकतर टिप्पणियां नकारात्मक होती हैं। इस पर विशाल ददलानी ने गुस्से में कहा, रुज़माना गधा है। कुछ लोग तुम्हें कभी नहीं समझेंगे, लेकिन जो लोग संगीत के क्षेत्र में हैं और इसे समझते हैं, वे हमेशा तुम्हारी आवाज़ की सराहना करेंगे क्योंकि हम अद्वितीयता और पहचान की तलाश में रहते हैं। जब तक तुम्हारी आवाज़ सही दिशा नहीं पाएगी, कोई इसे समझ नहीं पाएगा, लेकिन ऐसे बहुत लोग हैं जो तुम्हें दिशा दे सकते हैं, इसलिए चिंता मत करो।

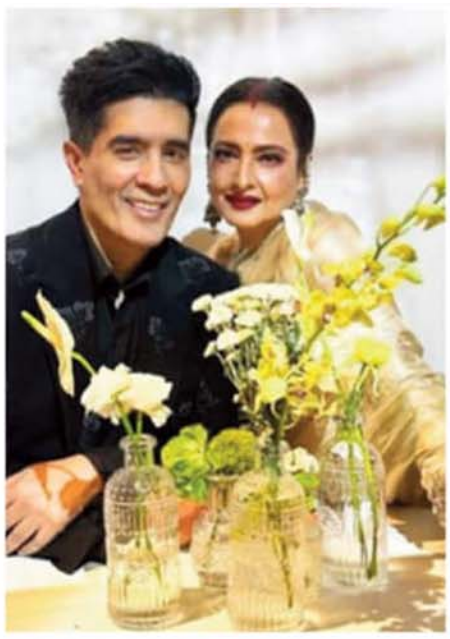

रेखा ओरिजिनल स्टाइल मेकर: मनीष मल्होत्रा

मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने दिग्गज अभिनेत्री रेखा को 'ओरिजनल स्टाइल मेकर' बताया है। उनके मुताबिक रील से लेकर रियल लाइफ तक में अपना स्टाइल फ्लॉन्ट करती हैं। डिजाइनर मल्होत्रा ने अभिनेत्री रेखा के लिए इंस्टाग्राम पर उन्हें जन्मदिन की ढेरों बधाई देते हुए पोस्ट शेयर किया। इनमें कुछ तस्वीरें हैं जिनमें एवरग्रीन एक्ट्रेस कमाल की लग रही हैं। इनमें रेखा गाढ़ी लाल लिपस्टिक और सुनहरी साड़ी में किसी रानी से कम नहीं लग रहीं। रेखा, 10 अक्टूबर को 70 वर्ष की हो गई हैं। पोस्ट के कैप्शन में मल्होत्रा ने लिखा, आइकॉनिक, सुपरस्टार, खूबसूरत और अपनी फिल्मों से लेकर अपनी प्रस्तुतियों तक एक ओरिजनल (मूल) स्टाइल मेकर, सच में एकमात्र रेखाजी ही हैं... जन्मदिन की शुभकामनाएं, एक ऐसे व्यक्ति के लिए ढेर सारा प्यार और सम्मान जो न केवल बेहद प्रतिभाशाली है, बल्कि जिनके दिल में ढेर सारा प्यार है। मल्होत्रा के मुताबिक अभिनेत्री को इतने करीब से जानना उनके लिए सम्मान की बात है। डिजाइनर ने आगे लिखा, उनके बेहतरीन डांस, परफॉर्मेंस से भरपूर फिल्मों की लिस्ट लंबी है। मुझे उनके साथ काम करने और करीब से जानने का मौका मिला और मैं इसके लिए खुद को सौभाग्यशाली मानता हूं...आप प्रशंसा के काबिल हैं और आपको मेरी ओर से ढेर सारा प्यार।

रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म बनायेंगे करण जौहर

बॉलीवुड फिल्मकार करण जौहर,आर माधवन और फातिमा सना शेख को लेकर रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म बना सकते हैं। चर्चा है कि करण जौहर ,धर्मैटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले रोमांटिक कॉमेडी फिल्म बनाने जा रहे हैं, जिसमें आर माधवन और फातिमा सना शेख की जोड़ी नजर आयेगी।यह फिल्म एक उम्रदराज पुरुष और एक युवा महिला के इर्द-गिर्द घूमेगी। फिल्म का निर्देशन विवेक सोनी करेंगे।राधिका आनंद और हान हांडा ने इस फिल्म की कहानी को लिखा है। अक्टूबर के अंत तक फिल्म की शूटिंग आरंभ हो सकती है।

'वेट्टैयन' ने पहले दिन 31 करोड़ कमाए

दक्षिण भारतीय फिल्मों के महानायक रजनीकांत की फिल्म 'वेट्टैयन' ने पहले दिन भारतीय बाजार में 31 करोड़ रूपये से अधिक की कमाई कर ली है। टीजे ज्ञानवेल के निर्देशन में बनी फिल्म 'वेट्टैयन' मंर रजनीकांत की मुख्य भूमिका है।इस फिल्म में अमिताभ बच्चन की भी अहम भूमिका है। अमिताभ और रजनीकांत ने अंधा कानून, गिरफ्तार और हम जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। यह जोड़ी 33 साल के बाद साथ नजर आयी है।दर्शकों से से मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स के साथ ही फिल्म वेट्टैयन की ओपनिंग भी दमदार रही है। वहीं अब इस फिल्म की रिलीज के पहले दिन की कमाई के आंकड़े आ गए हैं।

अनन्या पांडे ने लॉन्च किया अपना पॉडकास्ट

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे ने मानसिक स्वास्थ्य के बारे में बात करने के लिए अपना खुद का पॉडकास्ट लॉन्च किया है। हाल ही में रिलीज़ हुई अपनी स्ट्रीमिंग फिल्म 'सीटीआरएल' को लेकर सुर्खियां बटोर रहीं अभिनेत्री ने अब पॉडकास्ट की दुनिया में कदम रख दिया है। अभिनेत्री अपने 'सो पॉजिटिव पॉडकास्ट' के साथ स्वस्थ ऑनलाइन आदतों को बढ़ावा देने के लिए सकारात्मकता से संबंधित बातचीत में शामिल होती नजर आएंगी। पॉडकास्ट सीरीज का उद्देश्य डिजिटल युग में मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है।

पॉडकास्ट का ट्रेलर गुरुवार को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर जारी किया गया। अनन्या पांडे अभिनेत्री प्राजक्ता कोली, सुमुखी सुरेश, यशराज मुखाटे, अंकुश बहुगुणा और बेयूनिक जैसे कलाकारों के साथ मानसिक स्वास्थ्य और सोशल मीडिया के बारे में खुलकर बात करती नजर आएंगी। पॉडकास्ट सीरीज के बारे में अनन्या पांडे ने कहा, आज के डिजिटल युग में, हमारा जीवन सोशल मीडिया से इतना जुड़ा हुआ है और जहां यह कई सकारात्मकताएं लेकर आता है, वहीं यह कई चुनौतियों के साथ भी आता है। सो पॉजिटिव पॉडकास्ट के जरिए, मुझे उम्मीद है कि हम सभी एक कदम पीछे हटकर अपनी ऑनलाइन आदतों पर विचार कर सकते हैं और अपने मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे सकते हैं।

यह एक ऐसी बातचीत है जो हम सभी को करनी चाहिए। हम ऑनलाइन कैसे जुड़ते हैं और हम अपने और दूसरों के लिए कैसे अधिक सकारात्मक जगह बना सकते हैं। प्रत्येक एपिसोड में रचनाकारों की गहन चर्चाएं और व्यक्तिगत कहानियां होंगी, जो श्रोताओं को आज की हाइपरकनेक्टेड दुनिया में मानसिक संतुलन बनाए रखने के लिए व्यावहारिक रणनीतियां प्रदान करेंगी।

आलिया भट्ट ने भविष्य की प्लानिंग के बारे में खुलासा किया

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने अपनी भविष्य की प्लानिंग का खुलासा किया है। उनकी प्लानिंग में ज्यादा फिल्में बनाना, ज्यादा बच्चे पैदा करना और कई जगहों की यात्रा करना शामिल है। आलिया ने अपने भविष्य के बारे में बात करते हुए कहा, उम्मीद है कि और भी ज्यादा फिल्में करूं, सिर्फ एक अभिनेत्री के रूप में नहीं बल्कि एक निर्माता के रूप में भी। प्लानिंग में ज्यादा बच्चे, अलग-अलग जगहों की यात्राएं, स्वस्थ, खुशहाल, सरल, शांत, और प्रकृति से भरी जिंदगी भी शामिल है। अभिनेत्री आलिया भट्ट ने अप्रैल 2022 में बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर से शादी की थी। नवंबर 2022 में कपल ने बेटी राहा का स्वागत किया था।

आईएमडीबी के आइकन्स ओनली सेगमेंट के दौरान आलिया ने यह भी बताया कि वह उनकी और उनके पति रणबीर की कौन सी फिल्में चाहेंगी कि उनकी बेटी बड़े होकर देखे। आलिया ने कहा, मुझे लगता है कि मेरे लिए शायद 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' बेहतर रहेगी। ईमानदारी से कहूं तो यह सबसे कम उम्र की, सबसे शांत फिल्म है जिसे बच्चे देख सकते हैं। यह मेरी पहली फिल्म है। हालांकि, मुझे उस फिल्म में अपने परफॉर्मेंस पर बहुत गर्व नहीं है, लेकिन यह गानों से भरपूर है और मुझे लगता है बेटी को वास्तव में यह बहुत पसंद आएगी। रणबीर के लिए आलिया ने फिल्म 'बर्फी' चुनी। उन्होंने कहा,मुझे लगता है कि यह बच्चों के लिए बहुत ही अनुकूल फिल्म है। आलिया ने खुलासा किया कि कौन सी परफॉर्मेंस ने उनके अभिनय में सबसे बड़ा बदलाव लाया।

पंकज शर्मा

कार्यशैली-कल्प का अंतिम अवसर

हरियाणा का चुनावी दृश्य कांग्रेस के भीतर अपनी-अपनी जागीरदारी कब्जाए बैठे मतलबपरस्तों के थू-थू कर्मों ने भी रचा है। कृत्रिम इंडिया-समूह के राजनीतिक दलों के सिरमौरों की क्षुद्र निजी सियासी वासनाओं ने भी सियासत के भावी आसमान पर कालिख पोतने का पाप किया है। ....राहुल की अश्व-सेना में अरबी घोड़े कम, चौसा की सब से सस्ती मंडी के खच्चर ज़्यादा हैं। अपनी सेना का आधुनिकीकरण किए बिना और उसे चुस्त-दुरुस्त बनाए बिना राहुल क्या खा कर मोदी का मुक़ाबला कर लेंगे?

क्या हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजे तकनालॉजी के अनैतिक और अमान्य इस्तेमाल की मिसाल हैं? क्या ये नतीजे कांग्रेस, और एक मायने में सकल विपक्ष, की अपनी-अपनी ऐंठ का दुष्परिणाम हैं? क्या लोकसभा चुनाव परिणामों से उपजी परिस्थितियों के चलते बेतरह हांफ रहे नरेंद्र भाई मोदी को इन नतीजों ने नई प्राणवायु दे दी है? क्या इन नतीजों ने राहुल गांधी के परिश्रम पर पूरी तरह पानी फेर दिया है? क्या इन नतीजों ने नरेंद्र भाई के कांग्रेस-मुक्त भारत के सपने में नए रंग भर दिए हैं?

क्या अब यह अंतिम तौर पर तय हो गया है कि राहुल आज के दौर की राजनीति के लायक नहीं हैं और उन्हें संन्यास ले लेना चाहिए? क्या अब प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी को चलता करने की तैयारियों में लगे आरएसएस-प्रमुख मोहन भागवत कहीं ख़ुद ही तो चलते नहीं हो जाएंगे? क्या अब 2029 में होने वाले लोकसभा चुनाव तक 19 प्रदेशों में होने वाले सारे विधानसभा चुनावों के नतीजे भारतीय जनता पार्टी की झोली में इसी तरह एकतरफ़ा जाते रहेंगे? क्या एक तरफ़ से भाजपा और दूसरी तरफ से प्रतिपक्ष के अपने कथित सहयोगी दलों के चक्रव्यूह में फंसी कांग्रेस अंतिम हिचकियां ले रही है? आइए, एक-एक कर इन सवालों पर ज़रा गौर करें।

हरियाणा के चुनाव नतीजों के पीछे से तकनालॉजी के बदशक्ल जिन्न का चेहरा झांकता कइयों को दिखाई दे रहा है। इस दशक में ईवीएम की भूमिका पर संशय कोई पहली बार खड़ा नहीं हुआ है। हरियाणा में हुई मतगणना के दौरान ऐसी बहुत-सी वज़हें सामने आई हैं, जो ईवीएम-तिकड़म के शक़ को और पुख़्ता करती हैं। मगर हरियाणा का चुनावी दृश्य कांग्रेस के भीतर अपनी-अपनी जागीरदारी कब्जाए बैठे मतलबपरस्तों के थू-थू कर्मों ने भी रचा है। कृत्रिम इंडिया-समूह के राजनीतिक दलों के सिरमौरों की क्षुद्र निजी सियासी वासनाओं ने भी सियासत के भावी आसमान पर कालिख पोतने का पाप किया है।

पांच महीने पहले हुए लोकसभा के चुनाव में अपना सब-कुछ झोंक देने और हर तरह की कुचालें चलने के बावजूद अपने लिए 161+79=240 सांसद ही जिता कर ला सकने वाले नरेंद्र भाई और चौबीसों घंटे पतित कर्मकांड में रमी रहने वाली उन की टोली को हरियाणा के नतीजों से निश्चित ही नए प्राण मिले हैं। इस प्राणवायु का गुब्बारा ज़्यादा-से-ज़्यादा फुला कर उसे आकाशमार्गी करना मोशा-भाजपा से बेहतर कौन जानता है? सो, बहुत दूरगामी न सही, इस का अच्छा तात्कालिक लाभ नरेंद्र भाई को मिल रहा है। आगे-का-आगे, मगर हरियाणा के गच्चे ने राहुल की मेहनत पर फ़लिवक्त तो सचमुच पूरी तरह कोलतार का पोंछा लगा दिया है। ज़ाहिर है कि इस से नरेंद्र भाई को अपने ख़्वाब और रंगीन बनाने का अवसर मिल गया है।

जो भी हो, अभी राहुल के जोगी बन जाने का समय नहीं आया है। अपने चंद ना-लायक हमजोलियों पर उन के अति-विश्वास का नतीजा है हरियाणा और इस के लिए हम राहुल की सहयोगी-चयन बुद्धि पर प्रश्नचिह्न लगा सकते हैं। मगर उन के व्यक्तित्व की इस एक ख़ामी के चलते यह भूलना ठीक नहीं होगा कि दस बरस के एक ऐसे दौर में, जब विपक्ष के बड़े-बड़े सूरमाओं को हम ने बीच-बीच में लिजलिजी छुपाछुपाई खेलते देखा, तमाम नियमों-परंपराओं की धज्जियां उड़ाती दमनकारी हुकूमत के ख़िलाफ़ राहुल असहमति में अपना हाथ उठाए अविचल और अनवरत खड़े रहे। बुरी तरह सहमे हुए देश के दिलो-दिमाग से डर को निकाल बाहर करने में उन की भूमिका का यह एक पुण्य सारी कोताहियों पर भारी है। किसी ख़ामख़याली में मत रहिए, सत्ता के दनदनाते बुलडोज़र और जनतंत्र के बीच राहुल की अनुपस्थिति का दिन अगर आएगा तो आप से देश का दृश्य देखा तक नहीं जाएगा। इसलिए यह राहुल की अनिवार्यता को और शिद्दत से समझने का समय है।

बहुत-से लोग पूछ रहे हैं कि अब मोदी-भागवत समीकरणों का आड़ा-तिरछापन किधर जाएगा? यह सच है कि अगर हरियाणा न हुआ होता तो प्रधानमंत्री के सिंहासन से नरेंद्र भाई की विदाई तय थी। हरियाणा में भाजपा की हार भी एकदम तय थी। ख़ुद भाजपाई ही इसे मान रहे थे। हरियाणा इसीलिए नरेंद्र भाई के लिए सियासी जीवन-मरण का प्रश्न बन गया। सो, हरियाणा हर हाल में, हर कीमत पर, जीतना उन के लिए ज़रूरी हो गया था। और, वे जीत अपनी अंटी में खोंस ले गए। नरेंद्र भाई को बचपन से जानने वाले कई लोग उन के समूचे व्यक्तित्व की एक ही मारक-ख़ासियत बताते हैं कि उन में पलटवार करने की विलक्षण क्षमता और जुनून है। इसलिए मान कर चलिए कि वे मोहन भागवत को भूलेंगे नहीं। ऐसे में नरेंद्र भाई की जगह अगर कहीं भागवत जी अपना झोला उठा कर कूच कर दें तो ताज्जुब मत कीजिएगा।

अगर ऐसा हुआ तो मैदान पूरी तरह खाली हो जाएगा और तब नरेंद्र भाई सारे बचे-खुचे राज्यों से विपक्ष को खदेड़ने के अश्वोत-अश्वमेध पर निकल पड़ेंगे। 2029 के लोकसभा का चुनाव होने से पहले 19 प्रदेशों में विधानसभा चुनाव होंगे। यह सिलसिला अगले महीने ही महाराष्ट्र और झारखंड से शुरू हो जाएगा। अगले साल का आरंभ जनवरी में दिल्ली के चुनाव से और अंत नवंबर में बिहार के चुनाव से होगा। हर जगह हरियाणा की पुनरावृत्ति नरेंद्र भाई का लक्ष्य रहना स्वाभाविक है। तब तक 'एक देश-एक चुनाव' का बिगुल और तेज़ी से बजने लगेगा। देखने की बात होगी कि एक ही सपाटे में सब-कुछ अपनी गठरी में बांध लेने की ललक पूरी करने की मंज़िल नरेंद्र भाई हासिल कर लेंगे या उस से कितने हाथ दूर रह जाएंगे?

नरेंद्र भाई का दूरगामी भविष्य इस पर निर्भर करेगा कि दो पाटन के बीच फंसी राहुल की कांग्रेस आने वाले दिनों में अपनी आंतरिक और बाह्य संरचना के लिहाज़ से कोई ठोस अंगड़ाई लेती है या यथास्थितिवाद की गुदगुदी शैया पर ही पड़ी रहती है! मोशा-भाजपा से तो कांग्रेस को निपटना ही है, अपने बगलगीर सहयोगी दलों के बघनखों से भी बचने की जुगत उसे खोजते रहनी है। मुझे लगता है कि समझते ही होंगे, मगर अगर नहीं समझते हैं तो एक बात राहुल अच्छी तरह समझ लें कि सहयोगी दलों में से तो कोई बिरला ही मन से उन के साथ है, उन की अपनी पार्टी में भी वे आमतौर पर ख़ुदगर्ज़ों से ही घिरे हुए हैं। इसलिए इस चलती चक्की में से साबुत निकलने के लिए उन्हें अपना कार्यशैली-कल्प करना होगा। यह परदेसी विपश्यना से नहीं, तालठोकू देसी दंगल से होगा।

कांग्रेस पर पूर्ण-विराम अभी भले नहीं लगा है, मगर उस की डोली जिन बे-ईमान कहारों के कंधों के हवाले राहुल ने कर रखी है, वे इस यात्रा पर अल्पविराम तो लगवा ही चुके हैं। राहुल की अश्व-सेना में अरबी घोड़े कम, चौसा की सब से सस्ती मंडी के खच्चर ज़्यादा हैं। अपनी सेना का आधुनिकीकरण किए बिना और उसे चुस्त-दुरुस्त बनाए बिना राहुल क्या खा कर मोदी का मुक़ाबला कर लेंगे? उन्हें यह समझना होगा कि बैठा हाथी भी खड़े खच्चर से ऊंचा होता है। अंदरूनी हालात को दुरुस्त करने के लिए कांग्रेस ने राहुल को बार-बार अवसर दिए हैं। उन के प्रयोगों और फ़ैसलों को हर बार सिर-माथे भी रखा है। देशवासियों ने भी इन गर्मियों में राहुल को अपने विश्वास-मत से नवाज़ा है। सो, कांग्रेसी जूतों के तस्मे कसने का राहुल के लिए यह अंतिम अवसर है। वरना खाई इंतज़ार कर रही है।

(लेखक न्यूज़-व्यूज़ इंडिया और ग्लोबल इंडिया इनवेस्टिगेटर के संपादक हैं।)

विजयदशमी के अवसर पर पुलिस लाइन सहित सभी थाना चौकियों में हुई शस्त्र एवं वाहन पूजा

शिवपुरी।विजयादशमी पर्व पर पुलिस लाइन के साथ सभी थाना, चौकियों में अस्त्र-शस्त्र और वाहनों की वैदिक मंत्रोधाार के साथ पूजन किया गया। पुलिस लाइन के शस्त्रों की पूजन में प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एवं शिवपुरी के प्रभारी मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ,कलेक्टर शिवपुरी रविन्द्र चौधरी,पुलिस अधीक्षक शिवपुरी अमन सिंह राठौड़,जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नेहा यादव,विधायक शिवपुरी देवेंद्र जैन,विधायक कोलारस महेंद्र यादव, पूर्व मंत्री सुरेश धाकड़ राठखेड़ा विधायक पोहरी कैलाश कुशवाहा,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले, एसडीओपी शिवपुरी संजय चतुर्वेदी, रक्षित निरीक्षक अनिल कवरेती तथा शहर के थाना प्रभारी, एमटीओ एवं रक्षित केंद्र के जवानों की उपस्थिति में किया।

असत्य पर सत्य की जीत के प्रतीक विजयादशमीं पर्व पर प्रभारी मंत्री शिवपुरी, कलेक्टर शिवपुरी एवं पुलिस अधीक्षक शिवपुरी ने पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों के साथ जिलेवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हुए उनके सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की । दशहरे पर शस्त्र पूजन की परंपरा है, ऐसी मान्यता है कि इस दिन जो भी काम किया जाता हैं, उसमें विजय यानी सफलता मिलती है। परंपरा का निर्वहन करते हुए शस्त्र पूजन में सर्वप्रथम रक्षित केंद्र में रखे आर्म्स, एम्युनेशन का विधि-विधान से पूजन किया गया । इसके बाद वाहनों की पूजा की। इसी प्रकार सभी थाना, चौकियों में उपलब्ध आर्म्स एम्युनेशन की पूजा की गई। शस्त्र पूजन में विशेष तौर पर रक्षित केंद्र तथा थाना, चौकियों में उपलब्ध आर्म्स, एम्युनेशन तथा शस्त्र स्वरूप वाहनों की साफ-सफाई आयल, ग्रीसिंग कर पूजन किया जाता है ।

संभाग स्तरीय स्क्वेश प्रतियोगिता सांदीपनी स्कूल में संपन्न

सबलगढ़ जिला शिक्षा अधिकारी अनिल पाठक जी एवम जिला क्रीडा अधिकारी श्री हाकिम सिंह पचोरिया के निर्देशन में संभाग स्तरीय स्क्रेश प्रतियोगिता का आयोजन सांदीपनी स्कूल सबलगढ़ में किया गया इसके समापन समारोह में सांदीपनी स्कूल की प्राचार्य श्रीमती रेणुका बंसल ब्लॉक क्रीडा प्रभारी बीरभान सिंह जादौन ग्रेस कॉन्वेंट स्कूल के संचालक अजय कुमार बंसल जी शामिल हुए कार्यक्रम 07/10/2024 से 09/10/ 2024 तक तीन दिन चली इस प्रतियोगिता में ग्वालियर एवम मुरैना टीमों ने भाग लिया जिसमे 14, 17,19 वर्ग के 40 खिलाड़ी शामिल कुल हुए जिसमे से 30 खिलाडियों का चयन राज्य स्तर भोपाल मे होने वाली प्रतियोगिता में ग्वालियर संभाग का नेतृत्व करेंगे खास बात ये रही कि पहली बार ग्वालियर की टीम मे सिंधिया स्कूल के खिलाड़ी छात्र स्कूल डिवीजन की ओर से अपने सबलगढ़ में खेलने के लिए आए इस अवसर के लिए ब्लॉक क्रीडा प्रभारी बीरभान सिंह जादौन ने अपने वरिष्ठ अधिकारियो का आभार प्रकट करते हुए कहा कि जो भरोसा छुष्ठ महोदय ग्वालियर दीपक पांडे जी एवं संभाग क्रीड़ा अधिकारी बरैया जी ने जताया है उसके लिए में दोनो का शुक्र गुजार हूं जिन्होंने इतनी बड़ी जिम्मेदारी सौंपी इस अवसर पर अशोक कुमार जाटव पीटीआई शिवदयाल सिंह जादौन योगेन्द्र शुक्ला रणवीर धाकड़ संजय शर्मा पंकज गुप्ता पीयूष हरदेनिया लोकेंद्र शर्मा राजीव शर्मा रविंद्र कुशवाह अनुराधा तोमर मीना त्रिवेदी शर्मिला जादौन मिथुन तिवारी मनोज धाकड़ खुशीराम भास्कर लव कुश कटारे सनी धाकड़ राजकिशोर सिंह देवेंद्र यादव तथा मुरैना ग्वालियर के कोच और मैनेजर प्रतियोगिता में शामिल हुए

मल्हारगढ़ थाना परिसर में हुआ शस्त्र पूजन

मल्हारगढ़ (निप्र) स्थानिय पुलिस थाना परिसर में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष सी शस्त्र पूजन परंपरा अनुसार विजयदशमी के पावन पर्व पर देश भक्ति और शक्ति के प्रतिक शस्त्रों का पूजन विधि विधान से एसडीओपी नरेंद्र सिंह सोलंकी एवं थाना प्रभारी राजेंद्र कुमार पवार ने शस्त्रों का पूजन विधि विधान से किया गया इस अवसर पर पुलिस थाना मल्हारगढ़ के सभी सब इंस्पेक्टर ए एस आई हेड कांस्टेबल पुलिस जवान महिला पुलिस बल सहीतमय स्टाफ की उपस्थित मे बुराई पर अच्छाई काम एवं अ धर्म पर धर्म के प्रतीक दशहरा के पावन पर्व पर सभी ने एक दूसरे को दशहरा पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी एवं मल्हारगढ़ थाना क्षेत्र के सभी ग्राम वासियों को दशहरे की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी एवं आगामी त्यौहार भी शांति पूर्वक बनाने की अपील गई!

समरस समाज से ही राष्ट्र परम बैभव तक पहुँच सकता है : कृपाण सिंह

सबलगढ।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नगर सबलगढ़ के पथ संचलन कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में कृपाणसिह जी अपने उध्बोधन में कहा कि हमारा समाज समरस समाज हो इसके लिए सभी को समरसता अपने अंदर उतारने की आवश्यकता हमारे घरों में शस्त्र हो उनका पूजन होना चाहिए यह हमारी प्राचीन संस्कृति है एवँ मोबाइल नाम का प्राणी हमारे बच्चों एवं परिवार पर विपरीत प्रभाव डाल रहा है अतः हम सभी को अपने घर की बालिका के साथ साथ बालक पर भी नियंत्रण रखना चाहिए क्योंकि यही हमारे देश का भविष्य है नागरिक शिष्टाचार में हम सभी को स्वयं अनुशासन में रहना सीखना चाहिए समस्त हिन्दू समाज को संगठित होकर इस राष्ट्र को परम बैभव तक ले जाने का संकल्प लेना चाहिए।

पथ संचलन अनाज मंडी सुनहरा से प्रारंभ होकर हनुमान नगर पंजाबी बाग चंबल कॉलोनी एमएस रोड सन्तर नंबर तीन से सन्तर नंबर एक होते हुए राम मंदिर चौराहा अदालत चौराहा गंज रोड पुराना बाजार बेनीपुर चौराहा से निकलते हुए पुरानी कन्यशाला परिसर पर जाकर समापन हुआ संचलन पर नगर में विभिन्न स्थानों पर लोगो ने पुष्प वर्षा की गई आज के पथ संचलन में सबलगढ़ नगर के लगभग दो सैकड़ा स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में संचलन में सम्मिलित रहे श्री हरीबाबूजी गुप्ता खण्ड संघचालक श्री कैलाश जी मित्तल नगर संघचालक श्री कृपाण सिंह जी प्रांत शारीरिक प्रमुख मंचासीन रहे एवँ विभाग से श्री राघवेंद्र जी त्रिपाठी विभाग कार्यवाह श्री अशोक जी राणा विभाग सह शारीरिक प्रमुख श्री ब्रजेश जी गोड़ जिला कार्यवाह मुरैना उपस्थित रहे।

रावण वध से हुई असत्य पर सत्य की विजय

लगने लगे श्री राम के जयकारे, धूँ-धूँ कर जल उठा रावण व अहिरावण का पुतला

महेश वर्मा ब्यूरो चीफ मथुरा

मथुरा। श्री रामलीला सभा, मथुरा के तत्वावधान में आज दशहरा पर्व पर रामलीला मैदान महाविद्या पर रावण व अहिरावण वध की लीला हुई । श्री राम द्वारा रावण वध करने पर दर्शक जयजयकार करने लगे । आज की लीला का

प्रारंभ पाताल लोक से अपने प्रतापी पुत्र अहिरावण को बुलाने के लिए रावण भगवान शंकरजी की उपासना करता है । रावण के ध्यानमग्न होने से पातल में अहिरावण का मन विचलित होता है । वह लंका में रावण के पास पहुँच कर कारण जानना चाहता है । रावण युद्ध का पूरा समाचार सुनाने के बाद शत्रुओं का नाश का उपाय करने को कहता है । अपने चाचा विभीषण का वेश बनाकर वह रामादल में मोहिनी मंत्र से सभी को निद्रित करके राम व लक्ष्मण को पाताल में कामदा देवी की बलि च?ाने के लिये ले गया । हनुमानजी प्रभु की खोज में जाते समय मार्ग में गर्भवती गिद्धनी व गिद्ध के संवाद से स्पष्ट हो जाता है कि अहिरावण प्रभु राम व लक्ष्मण को ले गया है । हनुमान जी पाताल लोक में अपने पुत्र मकर/वज से मिलते हैं जो अहिरावण की सेवा में लगा है । वह दोनों भाईयों का पता बताता है । हनुमानजी द्वारा अहिरावण का वध कर मकर/वज को पाताल का राजा बना कर राम व लक्ष्मण को रामादल में ले आते हैं । अहिरावण की मृत्यु के बाद रावण स्वयं युद्ध करने जाता है । भयंकर युद्ध होता है । युद्ध में ब्रह्मास्त्र चलाकर लक्ष्मण को मूर्छित कर देता है । यह देख हनुमानजी रावण पर मुश्टिक प्रहार करते हैं, रावण मूर्छित होकर गिरता है, फिर मूर्छा टूटने पर उठता है । लक्ष्मण की मूर्छा टूटने पर वे रावण को परास्त कर लंका लौटा देते हैं । रावण विजय-यज्ञ करता है । वानर भालू उसके यज्ञ का वि/वंश कर देते हैं । तत्पश्चात् राम व रावण के युद्ध में रावण की मायावी शक्तियों का प्रयोग राम द्वारा नष्ट कर रावण के नाभि में बने अमृत कुण्ड पर अग्नि वाण चलाने पर रावण राम-राम कहते हुए पृथ्वी पर गिर प?ता है । राम राजनीति के ज्ञाता व महान पंडित रावण से राजनीति की शिक्षा के लिए लक्ष्मण को भेजते हैं । रावण शिक्षा प्रदान करता है व श्रीराम से कहता है कि विजय मेरी ही हुई है क्योंकि मैं आपके बैकुण्ठ लोक में जा रहा हूँ लेकिन आप मेरे जीवित रहते हुये लंका में प्रवेश नहीं कर पाये । श्रीराम मुस्कुरा जाते हैं ।

सीता जी की अग्नि परीक्षा के बाद प्रभु उन्हें वामांग लेते हैं -मैदान में प्रभु के अग्नि बांण चलाते ही रावण के पुतले की नाभि से अमृत वर्षा, मुस्कुराहट व घोर गर्जना के साथ धू-धू कर जल उठा। जिसे देखकर सम्पूर्ण मैदान में उपस्थित जन समुदाय राजा रामचन्द्र की जय जय घोषों से गूंज उठा । भव्य आतिशबाजी हुई । इस अवसर गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी, रविकान्त गर्ग, जयन्ती प्रसाद अग्रवाल, जुगलकिशोर अग्रवाल, नन्दकिशोर अग्रवाल, मूलचन्द गर्ग, प्रदीप सर्राफ पी.के., विजय किरोड़ी,, शैलेष अग्रवाल सर्राफ, अजय मास्टर, पं0 शशांक पाठक, अजय कान्त गर्ग, गौरव टैण्ट वाले, विनोद अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल विनोद सर्राफ, नागेन्द्र मोहन मित्तल, प्रदीप गोस्वामी, पं0 अमित भारद्वाज, सर्वेश शर्मा, संजय बिजली, अनूप टैण्ट, सुरेंद्र खोना , शैलू हकीम, बांकेलाल घुंघरू वाले गोपाल अग्रवाल अमित चौधरी सीए सर्वेश शर्मा आदि प्रमुख थे । व्यवस्था में जुलूस मंत्री विनोद सर्राफ, हिमांशु सूतिया, कन्हैया टाइप, विष्णू शर्मा, आनन्द शर्मा, रमेश किस्सू आदि तथा साज-सज्जा श्रृंगार में उमेश बिजली, नितिन शर्मा ने विशेश सहयोग दिया । 13 अक्टूबर को सायं 6 बजे चौक बाजार में भरत-मिलाप की लीला होगी ।

पैंठा की सरकारी गौशाला में तड़प रही थी आधा दर्जन गायें

महेश वर्मा ब्यूरो चीफ मथुरा

मथुरा । सरकारी गौशालाओं में गोवंश की दुर्दशा हो रही है और आए दिन भूख प्यास से गोवंश काल का ग्रास बनते जा रहीं हैं। इस पर जिला प्रशासन पूरी तरह से निष्क्रीय दिखाई दे रहा है। बीती देर सायं गोवर्धन ब्लाक के गांव पैंठा में भी सरकारी गौशला में आधा दर्जन गायें तड़प तड़प रहीं थी। ग्रामीणों ने जब इसकी शिकायत कमिश्नर से की तो तब जिम्मेदार अधिकारी गौशाला पहुंचे। चिकित्सकों की टीम ने गौशाला में उपचार किया। ग्रामीणों ने बताया कि जनपद की तहसील गोवर्धन के गांव पेठा में संचालित सरकारी गोशाला में प्रतिदिन आधा दर्जन से अधिक गोवंश भूख प्यास से दम तोड़ रहे हैं। शुक्रवार देर शाम भूख से तड़प-तड़प कर चार गोवंश की मौत हो गई। छः गोवंश अभी भी तड़प रहे हैं। इस ओर जिम्मेदारों का कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ग्रामीणों ने कमिश्नर को फोन कर सूचना दी, तो उसके बाद जिला प्रशासन हरकरत में आया। आनन फानन में पशु चिकित्सकों की टीम यहां पहुंची। तड़पती गोवंश को एनजीं इंजेक्शन लगाकर उपचार शुरू किया है। ग्रामीणों ने बताया गोशाला संचालन की जिम्मेदारी सचिव और प्रधान की है। लेकिन वह व्यवस्थाओं की ओर ध्यान नहीं देते। प्रतिदिन गोवंश भूख प्यास से दम तोड रहे हैं। पशु चिकित्सा अधिकारी ने बताया गोशाला की जिम्मेदारी सचिव और प्रधान की है। हम बीमार गोवंश को उपचार देने के लिए आए हैं।

गांव के लोगों का कहना है कि कई बार इस मामले को लेकर अधिकारियों से शिकायत की जा चुकी है। लेकिन शिकायतों पर कोई भी अमल नहीं किया जाता है। गोवंश की हो रही लगातार मृत्यु को अनदेखा किया जा रहा है। जो की सरकारी गौशालाओं को संचालित करने की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत सचिव और ग्राम प्रधान की है। लेकिन वह इस ओर कोई ध्यान नही दे रहा है।

स्वच्छ्ता एक बेहद जरुरी संस्कार है - डीआरएम दीपक कुमार

पखवाड़ा के तहत स्वच्छ प्रसाधन और स्वच्छ पर्यवारण का हुआ आयोजन

पंकज त्रिपाठी स्टेट हेड
दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर/झांसी । भारतीय रेलवे द्वारा चलाए जा रहे देशव्यापी स्वच्छता पखवाड़े के कार्यक्रमों के अंतर्गत 12 अक्टूबर 2024 को उत्तर मध्य रेलवे के झांसी मंडल पर स्वच्छ प्रसाधन और स्वच्छ पर्यवारण के रूप में मनाया गया। इस कार्यक्रम के तहत वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी,ग्वालियर, डबरा,बांदा,चित्रकूट धाम कर्वी,भिण्ड मुरैना,ललितपुर आदि स्टेशनों पर प्रसाधनों में स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत रेलवे स्टेशनों, कोचिंग डिपो तथा रेलगाड़ियों में सभी शौचालयों में अभियान चलाया गया। रेलवे अस्पतालों, कार्यालयों और आसपास के क्षेत्रों में भी शौचालय ब्लॉकों की भी गहनता सफाई से की गई।स्वच्छ प्रसाधन दिवस पर शौचालयों की सफाई के साथ ही वहां पानी की उपलब्धता की जांच भी की गई। इसके साथ ही शौचालयों में जल निकासी की व्यवस्था भी दुरुस्त की गई। संबंधित कर्मचारियों को समझाया गया कि प्रसाधन की नियमित सफाई करते रहें। कहीं पानी लीक होता हुआ दिखाई दे तो तुरंत उसको रोकने का प्रयास करें और दुरुस्त करने की व्यवस्था करें। अगर प्रसाधन में कोई टूटी हुई वस्तु दिखाई दे तो उसे बदल दें। यात्रियों को खुले में शौच ना करने के लिए जागरुक किया गया। कर्मचारी और यात्रियों को खुले में शौच करने से होने वाले नुकसान के बारे में बताया गया।

विशेष बात मिशन भुगतान पदयात्रा

सबलगढ। धौलपुर चम्बल नदी से 15 नवम्बर को जब हमारे पदयात्री सत्याग्रही साथी पैदल मार्च आरम्भ करेंगे दिल्ली संसद भवन के लिए उससे पूर्व धौलपुर, आगरा, मथुरा, पलवल, फरीदाबाद और दिल्ली के साथी इस मार्ग पर पड़ने वाले सभी गाँव, कस्बे, नगर इत्यादि में संगठन के कार्यकर्ता पदाधिकारी तैयार करें ताकि पदयात्री साथियों को कोई दिक्कत न हो और जगह जगह उनके ठहरने भोजन पानी इत्यादि की व्यवस्था की जा सके.हालांकि एक ट्रक में गैस चूल्हे सिलंडर कड़ाई भगोने पत्तल इत्यादि सामिग्री लेकर रसोईये साथ रखेंगे लेकिन पदयात्री साथियों की संख्या हमारे अनुमान से ज्यादा हो सकती है इसलिये वैकल्पिक व्यवस्था भी बनाये रखनी है. रास्ते में जितनी भी नदी माताएं प?ेंगी उन सबका जल साथ लेते हुए चलना है ताकि संसद भवन की धुलाई करके संसद को पवित्र किया जा सके और जो ठग बेईमान गिद्ध संसद में घुस गए हैं उनके अंदर के आदमी को जगाकर उन्हें आदमी बनाया जा सके.ध्यान रखें मिशन भुगतान के लिए मुख्य पदयात्रा वीर नदी चंबल से 15 नवंबर को शहीद विरसा मुंडा जयंती पर आरम्भ होगी लेकिन सहायक पदयात्रा भी सभी राज्यों से आरम्भ करनी हैं जो सब एकसाथ दिल्ली संसद भवन की ओर ही चलेंगी इसलिए उत्तर प्रदेश और हरियाणा की जिन सीमाओं से दिल्ली में प्रवेश करना है उन मार्ग पर प?ने वाले स्थानों पर संगठन को मजबूत करने का कार्य अभी से सब साथी आरम्भ कर दें..चूँकि ब?ा आंदोलन है इसलिये तैयारी भी ब?ी करें और उत्तर प्रदेश राजस्थान हरियाणा और दिल्ली के साथी देशभर से आ रहे सत्याग्रही साथियों के स्वागत सत्कार में कोई कमी न रहने दें अभी से जगह जगह वह स्थान चिन्हित कर लें जहाँ जहाँ पदयात्रियों के लिए भण्डारे व पंडाल लगाने हैं.यह सब हमें अपने और देशभक्त साथियों के संसाधनों से ही करना है किसी राजनैतिक दल या धनपशु से कोई उम्मीद न करें क्योंकि यह सब ज्यादातर ठग ही हैं इसलिये यह राष्ट्रभक्ति के इसलिए आंदोलन में कोई सहयोग नहीं करेंगे.कार्यक्रम आयोजन समिति क्षेत्रीय स्तर पर अभी से तैयार करें और कार्यक्रम का जमकर प्रचार प्रसार करें.

रेखा की कहानी, मां से 'मंदिर जैसे बंगले' तक!

यासिर उस्मान

चकाचौंध से दूर रहने वाली, एकांतप्रिय और एक हद तक रहस्मयी रेखा।वो रेखा जिन्हें आज उनकी भव्य साड़ियों और डीवा इमेज लिए ज़्यादा जाना जाता है, जिनकी मांग में भरा सिंदूर तो गॉसिप में रहता है, लेकिन बचपन में मिले गहरे घावों और फ़िल्म इंडस्ट्री में लंबे संघर्ष की बात नहीं होती।

फ़िल्मों से दूर होने के बावजूद वो रेखा हाल ही में जब आईफ़ा अवॉर्ड में परफ़ॉर्म करती हैं तो उनकी चर्चा किसी नई अभिनेत्री से भी ज़्यादा होती है। वो सदाबहार रेखा अब 70 बरस की हो गई हैं।

2014 की फ़िल्म 'सुपर नानी' के बाद से रेखा किसी भी फ़िल्म में मुख्य भूमिका में नहीं दिखी हैं। वो आमतौर पर इंटरव्यू भी नहीं देतीं। उनके बंगले की दीवारों के पार 'पेपराज़ी' के तेज़ कैमरे तक नहीं पहुंचते।

यहां इस बात का भी ज़िक्र था कि रेखा का घर उनकी मां के नाम पर था- पुष्पावल्ली।

मुंबई के बांद्रा वैंडस्टैंड पर आज के सुपरस्टार शाहरुख़ ख़ान और सलमान ख़ान के घरों से से कुछ दूरी पर है रेखा का घर, जिसके अतीत में रेखा और उनकी मां पुष्पावल्ली के संघर्ष की दास्तां भी छिपी है।

हर इंसान की कहानी मां से ही शुरू होती है। वो मां जो साया बनकर आपके साथ रहती है।रेखा के जीवन में भी मां शायद सबसे अहम किरदार हैं।रेखा पर किताब लिखते समय रिसर्च के दौरान मेरे सामने भी उनका ये अनसुना पहलू आया था।

मैंने फ़िल्म निर्देशक मुज़फ़्फ़र अली से पूछा कि उन्होंने 'उमराव जान' की भूमिका के लिए रेखा को ही क्यों चुना जबकि उस समय स्थापित और अभिनय में बेहतर मानी जाने वाली स्मिता पाटिल का विकल्प उनके पास था?

उन्होंने फौरन जवाब दिया, "रेखा की आंखों में गिरकर उठने की एक कैफ़ियत थी। ज़िंदगी लोगों को हिलाकर रख देती है। इंसान बार-बार गिरता है। मगर जब तक वो हर बार उसी ताक़त से ना उठे, उसके अंदर जीने का अंदाज़ पैदा नहीं होता। टूटकर बिखरने के बाद वापस संभलने का यही एहसास मुझे रेखा की आंखों में नज़र आया।"

मुज़फ़्फ़र अली ने जिस एहसास का ज़िक्र किया वो शायद रेखा के अतीत, उनकी मां से जुड़ा है जिसमें दुख और दुश्वारियां झेलने की कहानी और उनपर जीत पाने की दास्तां भी है।

बचपन का संघर्ष

कहानी शुरू होती है 1947 में जब मद्रास का प्रसिद्ध जेमिनी स्टूडियोज़ तमिल फ़िल्म 'मिस मालिनी' का निर्माण कर रहा था। फ़िल्म की हीरोइन थीं एक नयी अभिनेत्री पुष्पावल्ली।अपनी नौकरी छोड़कर आए एक ख़ूबसूरत नौजवान रामास्वामी गणेशन को भी इस फ़िल्म में एक छोटा-सा रोल मिल गया। इसी फ़िल्म के सेट पर दोनों की नज़दीकियां बढ़ीं।

आने वाले वक़्त में रामास्वामी गणेशन, जेमिनी गणेशन के नाम से तमिल सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में से एक बने। जेमिनी और पुष्पावल्ली फ़िल्मों में एक हिट जोड़ी के रूप में पहचाने गए।हालांकि जेमिनी शादीशुदा थे लेकिन पुष्पावल्ली के साथ उनका रिश्ता किसी से छुपा नहीं था।

पुष्पावली चाहती थीं कि जेमिनी उनसे शादी करके घर बसा लें लेकिन उन्होंने कभी भी भी इस रिश्ते को नाम या सामाजिक मान्यता नहीं दी।10 अक्तूबर, 1954 में पुष्पावल्ली और जेमिनी की पहली बेटी का जन्म हुआ। उसका नाम रखा गया- भानुरेखा गणेशन।

भानुरेखा का जन्म ही अफ़वाहों से घिरा हुआ था। इन अफ़वाहों और निजी ज़िंदगी से जुड़ी चर्चाओं ने ताउम्र उसका पीछा नहीं छोड़ा। बचपन से ही मां ने बताया था कि उसका नाम भानुरेखा गणेशन है।

इस नाम के ज़रिए वो अपनी बेटी को वो हक़ देना चाहती है जिसके लिए वो ख़ुद हमेशा तरसी थी। गणेशन नाम उस सम्मान और गरिमा का अहसास दिलाता था।भानुरेखा के बाद जेमिनी और पुष्पावली की दो बेटियां और हुईं। लेकिन भानुरेखा छोटी उम्र से ही जान गयी थी कि उसके पिता एक दूसरे घर में रहते हैं जहां उनका एक और परिवार है।

वो परिवार जिसे वो बेहद प्यार करते हैं। पूरे बचपन उसने अपनी मां को धीरे-धीरे टूटते देखा। एक बच्चे के मन पर ऐसे अभिघात का असर उम्र भर जाता नहीं है।पुष्पावल्ली ने पिता की कमी को पूरा करने की हर मुमकिन कोशिश की। मगर ये आसान नहीं था। पुष्पावल्ली की उम्र बढ़ रही थी और फ़िल्मों में रोल कम होने लगे थे।

अपने परिवार के लिए वो लगातार शूटिंग पर जाती रहीं। अपने बचपन को याद करते हुए रेखा ने एक इंटरव्यू (मूवी मैगज़ीन, मई 1987) में कहा था, "हमारी मां के लिए हमारा प्यार एक जुनून था, और इसकी वजह ये भी थी कि वो कभी घर पर नहीं होती थीं। वो अपना ज़्यादातर टाइम शूटिंग पर बिताती थीं। जिस दिन वो घर पर होती थीं वो दिन हमारे लिए किसी त्योहार की तरह होता था। हम सब उनकी गोद में बैठना चाहते थे। उनकी शख़्सियत बड़ी प्रभावशाली थी। मैं उनसे नाराज़ भी होती थी कि वो हम पर इतनी हावी क्यों हैं और इसलिए भी कि हमारी ज़रूरत के वक़्त वो हमारे पास क्यों नहीं होतीं? लेकिन मैं हमेशा से उनसे बहुत ज़्यादा प्रभावित रही।"

धीरे धीरे मां पुष्पावल्ली को फ़िल्मों को ऑफ़र मिलने बेहद कम हो गए थे। हालात बिगड़ते गए और परिवार का ख़र्च चलाने के लिए कर्ज़ लेने की नौबत आ गई।तनाव ने पुष्पावल्ली की सेहत भी ख़राब कर दी थी। कर्ज़ चढ़ता जा रहा था। पूरा परिवार बर्बादी की कगार पर आ गया था।

फ़िल्मी दुनिया भानुरेखा को कोई ख़ास पसंद नहीं थी। अपनी मां के संघर्ष में वो इस दुनिया का अंधेरा सच देख चुकी थीं। मगर वो परिवार की आखिरी उम्मीद थीं।1990 में फ़िल्मफेयर को दिए एक इंटरव्यू में रेखा ने कहा था, "नौवीं क्लास में मेरी पढ़ाई छुड़वा दी गई और 14 साल की उम्र में मुझसे काम करने को कहा गया। मुझे तब तक ये नहीं पता था कि मेरी मां पर कितना कर्ज़ है। तो मुझे फ़िल्मों में काम करने की बात सही नहीं लगी।"

क़िस्मत से ऐसा मौक़ा आया जब रेखा को बंबई में फ़िल्म बनाने वाले एक निर्माता ने साइन करने में दिलचस्पी दिखाई। पुष्पावल्ली अपनी 13-14 साल की बेटी को लेकर बंबई पहुंच गयीं।रेखा अपना शहर छोड़कर बंबई तो आ गई थीं, मगर दिल ही दिल में बेहद घबराई हुई थीं। ये शहर न उनके अकेलेपन को समझता था, न उसकी ज़बान को। उन्हें रह-रहकर अपनी मां पर गुस्सा आता था जिन्होंने उनकी मर्ज़ी के बिना उन्हें यहां धकेल दिया था।

सिमी ग्रेवाल को 2004 में दिए इंटरव्यू में रेखा कहती हैं, "बंबई एक जंगल जैसा था, जहां मैं खाली हाथ बिना किसी हथियार के आ पहुंची थी। वो मेरी ज़िंदगी का बेहद डरावना दौर था यहां मर्दों ने मेरी संवेदनशीलता का फ़ायदा उठाने की कोशिश की...एक 13 साल की बच्ची के साथ ऐसा होना डरावना था।"

फिर एक दिन, भानुरेखा ने तय कर लिया कि वो उस सम्मान को पाकर रहेंगी जो उनकी मां को नहीं मिला। बंबई में इसकी शुरुआत हुई अपने नाम से सरनेम गणेशन को हटाने से।भानुरेखा गणेशन अब रेखा बन गयीं। रेखा का बंबई में पहला घर था जुहू में होटल अजंता का कमरा न.115 जहां वो पहली फ़िल्म की शूटिंग के दौरान अपनी मां के साथ रहीं।

इसके बाद लंबे समय तक मां-बेटी किराए के मकानों में रहीं। एक सुकून भरा घर शुरुआत से कभी था ही नहीं। कम उम्र में संघर्ष करने निकल पड़ी रेखा को अपनी मां के साथ इंडस्ट्री काफी मुश्किल झेलनी पड़ीं।

हिंदी फ़िल्मों में काम करने आयी रेखा को शुरुआत में हिंदी तक ठीक से नहीं आती थी। उनके सांवले रंग-रूप, ज़्यादा वज़न और '33 इंच की कमर' का पूरी इंडस्ट्री में बुरी तरह मज़ाक उड़ाया गया।रेखा कई इंटरव्यूज़ में उस दौर का ज़िक्र कर चुकी हैं, तीन अगस्त, 2008 को अंग्रेज़ी अख़बार टेलीग्राफ़ से उन्होंने कहा था, "मेरे काले रंग और दक्षिण भारतीय चेहरे की वजह से मुझे हिंदी फ़िल्मों की 'अग्ली डकलिंग' कहा जाता था। मुझे बेहद तकलीफ होती थी जब लोग उस दौर की हीरोइनों से मेरी तुलना करते और कहते कि मैं उनके सामने कुछ भी नहीं हूं।"

पहली ही फ़िल्म 'अनजाना सफ़र' में एक 'किसिंग सीन' के लिए मजबूर होने के विवाद से लेकर, फ़िल्मों से निकाले जाने और कई नाकाम रिश्तों तक रेखा के जीवन में ड्रामाई घटनाओं की कोई कमी नहीं रही।

शुरुआती दौर में रेखा के साथ विज्ञापन फ़िल्म बनाने वाले फ़िल्म निर्देशक श्याम बेनेगल ने मुझे बताया था, "वो तेरह-चौदह साल की रही होंगी जब मैंने उनक साथ कुछ एड-फ़िल्में की थी। उन्हें हिंदी नहीं आती थी फिर भी मैं हैरान था कि वो किसी वजह से हिंदी फ़िल्म इंडस्ट्री में टिकी हुई थीं। लेकिन मैं उनकी आंखों की चमक और कैमरे के सामने उनके ज़बरदस्त आत्मविश्वास को कभी नहीं भूल सकता। उस समय भी उनमें कुछ अलग बात थी।"

कामयाब फ़िल्मों का दौर

1980 तक आते आते घर, खून-पसीना, मुकद्दर का सिकंदर और ख़ूबसूरत जैसी कामयाब फ़िल्मों से वो टॉप अभिनेत्रियों की लिस्ट में आ गईं।इस सारे आत्मविश्वास की बड़ी वजह रेखा अपनी मां को बताती हैं जो इस बेहद मुश्किल समय में परछांई की तरह उनके साथ रहीं।

पिछले साल वोग मैगज़ीन को दिए इंटरव्यू में रेखा ने कहा, 'मां मेरी मेंटॉर थीं, उन्हें देखकर मुझे लगता था कि जैसे वो देवी हैं। उन्होंने मुझे प्यार और सौम्यता से जीवन जीना सिखाया। वो मुझसे हमेशा कहती थीं कि तुम कभी भी अपनी आंखों की चमक को खोने मत देना।'

वो चमक रेखा ने खोने नहीं दी और फिर, कुछ साल में वक़्त बदला। खासतौर पर 1976 की फ़िल्म 'दो अन्जाने' में उनके अभिनय की तरफ सबका ध्यान गया।हिंदी ना जानने वाली, ज़्यादा वज़न के लिए भद्दा मज़ाक झेलने वाली रेखा ने सत्तर के दशक के अंत तक अपनी धाराप्रवाह हिंदी-उर्दू और बेहतरीन फिटनेस के लिए जानी जाने लगीं।

अपने करियर में हार ना मानने का जुझारूपन उन्हें अपनी मां से मिला था।

रेखा ने वोग मैगज़ीन से अपने इंटरव्यू में कहा, 'मां ने हमेशा मुझे सिखाया कि मौलिकता पर जोर दो। वो करो जो दिल चाहे। वो नहीं जो दूसरा तुम पर थोपे।' 1980 तक आते आते घर, खून-पसीना, मुकद्दर का सिकंदर और ख़ूबसूरत जैसी कामयाब फ़िल्मों से वो टॉप अभिनेत्रियों की जमात में आ गईं।

फिर इजाज़त, कलयुग और उत्सव जैसी समानांतर सिनेमा की फ़िल्मों में यादगार अभिनय किया।अस्सी के दशक के अंत में जब श्रीदेवी की तूती बोलती थी, रेखा ने ब्लॉकबस्टर खून भरी मांग (1988) एक्शन रोल निभाकर सबको हैरान कर दिया।

रेखा के साथ फ़िल्म घर और इजाज़त बना चुके निर्देशक-गीतकार गुलज़ार ने मुझसे कहा था, "रेखा किरदार को लिबास की तरह पहन लेती हैं।"सोचिए जिस अभिनेत्री को शुरुआत में हिंदी-उर्दू बोलना तक तक नहीं आती थी उसने कुछ साल बाद ख़ूबसूरत उर्दू बोलते हुए 'उमराव जान' के रोल के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल किया।

अमिताभ से रिश्ते की कहानी

लेकिन रेखा का ज़िक्र आज भी सुपरस्टार अमिताभ बच्चन के साथ उनकी ऑनस्क्रीन केमेस्ट्री और निजी ज़िंदगी में नज़दीकियों को लेकर ज्यादा किया जाता है।इसकी वजह काफ़ी हद तक रेखा खुद भी हैं। उन्होंने अपने व्यक्तित्व और करियर में हुए का मेकओवर का श्रेय हमेशा अमिताभ बच्चन को दिया।

कभी इशारों में तो कभी घुमा फिरा कर उन्होंने यह जता दिया दिया कि उनकी कायापलट की प्रेरणा वही हैं। वह हमेशा शर्माते, सकुचाते हुए अपनी ज़िंदगी में अमिताभ की अहमियत की बातें करतीं।वो ये बताना नहीं भूलतीं थीं कि अमिताभ की आमद ने उनकी ज़िंदगी में नाटकीय परिवर्तन कर उन्हें कहां से कहां पहुंचा दिया। जीवन में अमिताभ की अहमियत उन्होंने अपनी मां के बराबर बताई थी।

आज भी रेखा के पूरे करियर से ज्यादा ज़िक्र अमिताभ के साथ उनकी नज़दीकियों का ही होता है।इस एकआयामी चर्चा के शोर में उनकी अपनी मेहनत और बेमिसाल कामयाबी कहीं पीछे छूट जाती है। खासतोर पर अपने परिवार के प्रति उनका समर्पण।

रेखा और उनकी मां को हमेशा से एक बड़े और सुंदर घर का अरमान था। लंबी जद्दोजहद के बाद अस्सी के दशक की शुरुआत में रेखा ने अपनी मां का ये सपना भी पूरा कर दिया।मुंबई के बांद्रा में वो ख़ूबसूरत घर जिसका नाम उन्होंने अपनी मां के नाम पर पुष्पावल्ली रखा था।"मुझे मंदिर जाकर प्रार्थना करने की जरूरत नहीं महसूस होती, मेरा घर ही मंदिर जैसा है," रेखा ने वोग मैगज़ीन को दिए इंटरव्यू में यही कहा है।

रेखा की छोटी बहन धनलक्ष्मी के पति और अभिनेता तेज सप्रू ने मुझे बताया कि रेखा एकाकी योद्धा हैं, "सभी बहनें अपनी मां को बहुत प्यार करती थीं पर रेखा इसलिए ख़ास हैं क्योंकि उन्होंने वाक़ई मुश्किल हालात में सब कुछ अकेले ही किया। वो शानदार लड़ीं और जीतीं। अपने परिवार को एक मुक़ाम तक पहुंचाने के लिए उन्होंने बड़े तूफ़ान झेले।"

बेकार की अनगिनत फ़िल्मों में काम करने के लिए रेखा की काफ़ी आलोचना होती थी।लेकिन रेखा के जीजा बताते हैं कि रेखा ने सत्तर के दशक में आंख मूंदकर इसलिए फ़िल्में साइन की क्योंकि उन पर अपनी मां, दो भाइयों और तीन बहनों वाले अपने बड़े परिवार की ज़िम्मेदारी थी।जितनी ज्यादा फ़िल्में वो करती उतने ही उन्हें पैसे मिलने वाले थे। उस समय नायक और नायिकाओं की फीस के बीच बहुत बड़ा फासला होता था।

परिवार की जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया

रेखा ने अपने परिवार के प्रति अपनी जिम्मेदारियों के बारे में एक बार कहा था (फ़िल्मफेयर, 2011), "बहुत बार तो मैं अपनी मां की भी मां थी और अपने भाई बहनों की भी। जब से मैं पैदा हुई मेरे अंदर मातृत्व भाव बहुत ज्यादा रहा है यह ताउम्र मेरे साथ रहा, मेरे साथ रहने वालों को मिला। पर मुझे लगता है कि यह एक महिला की ही सोच हो सकती है।"

"कुल लोग ज़िंदगी के खांचो में फिट होते है। मैं घर की कमाऊ सदस्य थी। मुझे रातोंरात बड़े होकर अपने परिवार, भाई- बहनों की देखभाल करनी थी। मेरे भाई की असमय मृत्यु हो गयी। मैंने अपने बहुत से सहयोगी कलाकारों के भाई बहनों को शराब और ड्रग्स के नशे के आगोश में जाते देखा हैं। मैंने बहुत समय पहले ही खुद से यह वादा कर लिया था कि मैं अपने परिवार को इससे बचाऊंगी।"

ख़ुद से किया ये वादा रेखा ने बखूबी पूरा किया। अपनी बहनों की शादी करने के बाद 1990 में रेखा का ख़ुद शादी करके घर बसाने का सपना भी पूरा हो गया था।

उन्होंने दिल्ली के बिजनेसमेन मुकेश अग्रवाल से मुलाकात के एक महीने के भीतर ही शादी कर ली थी। मगर रिश्ता चला नहीं और दोनों अलग हो गए।शादी के करीब सात महीने बाद 2 अक्तूबर 1990 को उनके पति ने आत्महत्या कर ली थी। मीडिया के लिए मुकेश की आत्महत्या की ख़बर सबसे बड़ी सनसनी थी।मीडिया और फ़िल्म इंडस्ट्री ने भी मुकेश अग्रवाल की मौत के लिए रेखा को ज़िम्मेदार ठहराया। जगह-जगह लोगों ने रेखा की फ़िल्मों के पोस्टरों पर कालिख पोती।

बिंदास रेखा महीनों के लिए खामोश हो गयीं। अगले ही साल उन्होंने सुपरहिट फ़िल्म 'फूल बने अंगारे' से वापसी तो की मगर रेखा पूरी तरह बदल चुकी थीं।उसी साल रेखा की मां पुष्पावल्ली की मद्रास में एक लंबी बीमारी के बाद मौत हो गयी। रेखा ने अपनी ज़िंदगी मे बहुत से उतार चढ़ाव देखे पर हर मोड़ पर उनकी मां उनके साथ खड़ी रहीं।

उनकी मौत तक रेखा को इस बात का अहसास था कि उनकी मां मानो उनका सुरक्षा घेरा बनकर उनके साथ हैं, हर वक़्त।रेखा का बंगला इस बात की बानगी और नज़ीर दोनों ही हैं कि मां बेटी के बीच रिश्ता कितना करीब था। वो बंगला जो आज भी उनके दिल के क़रीब है।

पति मुकेश अग्रवाल की खुदकुशी और उसके बाद अपनी मां के देहांत के बाद ही रेखा शायद पूरी तरह बदल गयीं। उन्होंने मीडिया से दूरी बना ली। उनके साक्षात्कारों के स्वर और सुर दोनों बदल गए थे।अपने पहले के बेबाक़ और ईमानदार जवाबों से ठीक उलट, उन्होंने ख़ुद को मानो समेट लिया।

अपने आसपास एक दीवार सी खड़ी कर ली जो आज भी कभी नहीं गिरती। जो थोड़े-बहुत इंटरव्यू वो देती हैं उनमें भी उनके जवाब अब ख़ुद की बनाई सरहदों में महफ़ूज़ होते हैं।ऐसा लगता है कि रेखा ने जानबूझ कर अपनी एकांकी स्वप्न सुंदरी या डीवा की शख़्सियत ओढ़ रखी है। उनके साक्षात्कार अब निराकार और दार्शनिक से बन गए हैं।लेकिन 'पुष्पावल्ली' के साए में जीवन बिता रही रेखा बिना फ़िल्मों सक्रिय रहते हुए भी फ़िल्म इंडस्ट्री की सबसे प्रभावशाली शख़्सियतों में से एक हैं। (साभार- बीबीसी.कॉम/हिंदी)

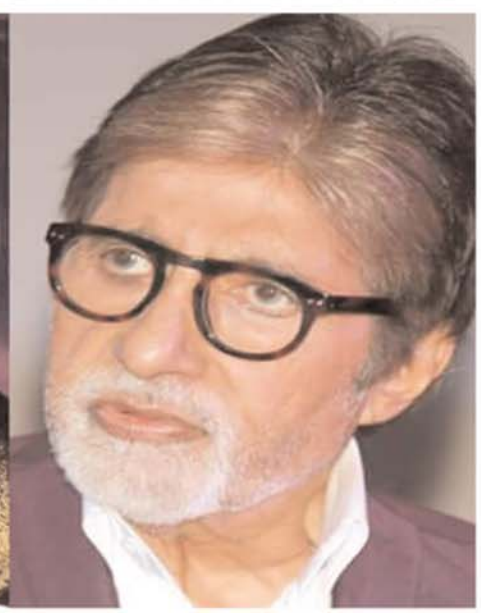

मंत्री श्री शुक्ला ने वैदिक मंत्रोच्चारों के साथ पुलिस लाइन में भिण्ड में किया शस्त्र-पूजन

कलेक्टर व एसपी ने भी यज्ञ में आहुतियाँ देकर किया शस्त्र - पूजन

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

प्रदेश व जिले वासियों को दी दशहरा पर्व की शुभकामनाएं

भिण्ड । दशहरा पर्व का सनातन धर्म में धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व है, दशहरा के पावन पर्व पर शक्ति और सुरक्षा का प्रतीक माना जाने वाला शस्त्र पूजन पर पुलिस लाईन भिण्ड में उत्साह, उमंग व धूमधाम के साथ शस्त्रों की पूजा की गई। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला के मुख्य आतिथ्य एवं विधायक भिण्ड नरेन्द्र सिंह कुशवाह,भाजपा जिला अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह नरवरिया की विशेष उपस्थिति में जिले का मुख्य शस्त्र-पूजन कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव,पुलिस अधीक्षक डॉ असित यादव,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव

पाठक भी इस शस्त्र-पूजन में शामिल हुए। बुराई पर अच्छाई की जीत के महापर्व विजय दशमी पर पुलिस लाइन में आयोजित हुए कार्यक्रम में नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, विधायक भिण्ड नरेन्द्र सिंह कुशवाह सहित वरिष्ठ प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों ने सनातन संस्कृति के विधि-विधानों के अनुसार वैदिक मंत्रोच्चारों के बीच पवित्र यज्ञ में आहुतियाँ देकर शस्त्र पूजन किया। इसके बाद मंगल आरती की गई।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की पहल पर इस वर्ष प्रदेश में दशहरा पर्व सरकार और समाज मिलकर धूमधाम के साथ मना रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा लिए गए निर्णय के तहत मंत्री राकेश शुक्ला व विधायक भिण्ड नरेन्द्र सिंह कुशवाह की मौजूदगी में इस साल दशहरा पर्व पर भिण्ड के पुलिस लाइन में शस्त्र-पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। उल्लेखनीय है प्रदेश रकार द्वारा इस वर्ष का दशहरा पर्व महिला सशक्तिकरण और सुशासन की प्रतीक लोकमाता देवी अहिल्याबाई को समर्पित किया गया है। देवी अहिल्याबाई ने देश भर में जन-कल्याण के अनेक महती कार्य संपन्न करवाए। इन कार्यों की स्मृति और देवी अहिल्याबाई के योगदान से आज की पीढ़ी को अवगत करवाने और उनके सम्मान में दशहरा पर्व पर शस्त्र-पूजन के कार्यक्रम आयोजित किये गए।नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला व विधायक भिण्ड सहित सभी प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने जिले वासियों को दशहरा पर्व की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि बुराई पर अच्छाई के प्रतीक इस दशहरा पर्व को उत्साह और उमंग के साथ मनाएं।

शिक्षा और ज्ञान ही भविष्य को उज्जवल बना सकता है: मनीष धाकड़

बालिका दिवस पर छात्राओं गोहद थाने का विजिट किया,जानी कानून की जानकारी
दैनिक पुष्पांजलि टुडे

गोहद / में बालिका दिवस पर आंगनवाड़ी में पढ़ने वाली छात्राओं ने थाने का विजिट किया। गोहद शक्ति अभिनंदन योजना के अन्तर्गत 2 अक्टूबर से 11 अक्टूबर तक कार्यक्रम चला। जिसमें महिला बाल विकास की छात्राओं को जागरूक करने के लिए गोहद थाने का विजिट कराया गया है। इस दौरान थाना प्रभारी मनीष धाकड़ ने छात्राओं को पुलिसिंग प्रणाली और सरचना के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए अपराध ,सुरक्षा,यातायात, आपातकालीन सेवाएं और हेल्पलाइन नंबर तथा एफआईआर दर्ज कराने की प्रक्रिया के बारे विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उन्होंने ने छात्राओं को अपराध और सुरक्षा के बारे में जागरूक कर जिम्मेदार नागरिक और सामाजिक सुरक्षा की भावना विकसित करते हुए समाज में सकारात्मक योगदान करने हेतु प्रेरित किया गया। थाना प्रभारी मनीष धाकड़ ने छात्राओं की प्रशंसा करते हुए छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए करते रहना चाहिए। क्योंकि आप सभी इस देश के भविष्य हैं। और आपकी सफलता से ही देश की प्रगति होगी। कार्यक्रम के दौरान महिला

प्रेरित किया। इसके अलावा उन्होंने कानून के प्रति जागरूक रहने के लिए कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी। साथ ही सभी छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि शिक्षा और ज्ञान ही आपके भविष्य को उज्जवल बना सकते हैं। अपने लक्ष्यों को निर्धारित करें। और उन्हें प्राप्त करने के लिए हमेशा मेहनत परियोजना अधिकारी डॉ संदीप मौर्य ने बताया कि छात्राओं को जागरूक करने और कानून की पूरी जानकारी उन तक पहुंचाने के लिए शासन की ओर से यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है। आज के कार्यक्रम में छात्राओं के साथ-साथ आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं महिला सुपरवाइजर भी मौजूद रही है। इस अवसर पर

श्रीमंत महाराज ज्योतिरादित्य सिंधिया शाही अंदाज में अपने ससुराल पक्ष के पारिवारिक सदस्यों के साथ पहुंचे गोरखी देवघर और की पूजा अर्चना।

महेंद्र शर्मा संपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर का शाही परिवार, आपको बता दें यह पहला मौका है जब ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने ससुराल पक्ष के सभी सदस्यों के साथ पूजा अर्चना में शामिल हुए और उन्हें अपने पारंपरिक पूजा अर्चना के बारे में बताया, इस दौरान प्रियदर्शनी राजे सिंधिया, महान आर्यमन सिंधिया, अनन्या राजे सिंधिया के अलावा प्रियदर्शनी राजे सिंधिया का मायका पक्ष भी मोजूद रहा, आज हर वर्ष होने बाली एक परंपरा को सिंधिया बंश द्वारा नही निभाया गया वो है मांदरे की माता स्थित समी की पूजा, कहा जा रहा है, मां माधविराजे सिंधिया जी के गुजरने के बाद यह पहला त्योहार हैं इस कारण इसे रद्द किया गया हे। इस दौरान महान आर्यमन सिंधिया ने शाहनवाज खान को दशहरे की शुभकामनाएं दी

सम्पत्तिकर जमा न करने पर तीन गोदाम सील

ग्वालियर। संपत्ति कर वसूली के लक्ष्य की पूर्ति के लिए निगम द्वारा अभियान चलाकर बडे बकायेदारों से सम्पत्ति कर की वसूली की जा रही है। जिसके तहत मंगलवार को क्षेत्रीय कार्यालय 3 के अंतर्गत बकाया संपत्ति कर जमा न करने पर 3 व्यावसायिक गोदाम सील किए गए। क्षेत्राधिकारी कार्तिक पटेल ने बताया कि निगम द्वारा मंगलवार को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 3 के अंतर्गत मछली मंडी के पास जगनापुरा स्थित प्लास्टिक कटर एण्ड ग्राउंड गोदाम संचालक रामदास राठौर से बार बार सम्पत्तिकर के दस्तावेज मांगने पर भी नहीं दिए गए। जिस पर कार्यवाही कर गोदाम को सील किया गया। इसके साथ ही शर्मा फार्म रोड स्थित श्रीमती कलावती कुशवाह पर 1 लाख 48 हजार 837 रूपये संपत्ति कर बकाया होने पर उनके व्यावसायिक गोदाम को सील किया गया। साथ ही शर्मा फार्म रोड स्थित मुकेश गोदाम पर 1 लाख 33 हजार 610 रूपये सम्पत्तिकर बकाया होने पर इनका गोदाम सील किया गया।

दशहरा के शुभ अवसर पर डॉ गजेन्द्र सिंह तोमर सिविल सर्जन द्वारा किया गया उपकरणों का विधि विधान से पूजन।

चिकित्सालय में मनाया गया विजयादशमी का प्रशासन की मंशानुरूप उपकरण पूजन कार्यकम।

पुष्पांजली टुडे

मुरैना।मेन ओप्रेशन थियेटर लैप्रेसी मशीन,लैव, गायनिक ओटी, अमर जैसी, पी आईसीयू, एस एन सी यू वाहनों व मशीनरी जगह सभी वार्डो में पूजन किया जिसमें डॉ ओपी शुक्ला डॉ विक्रम सक्सैना, डॉ संजीव बांदिल डॉ, बीबी शर्मा डॉ दीपक चांदिल डॉ डी एस यादव डॉ आंनद गोयल,डी पी एम एस पी श्री वास्तव प्रवधंक रविन्द्र सिंह सभी अधिकारी उपस्थित रहे डॉ तोमर द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि ओप्रेशन थेयटर में सी पी आर मशीन से हड्डी के आप्रेशन आयुष्मान योजना से मुफ्त किये जायेंगे और डॉक्टरों से कहा कि ज्यादा से ज्यादा मरीजों को लाभान्वित करें लैप्रोसी विभाग में 80 लाख रुपए की मशीन का पूजन किया गया जिससे मरीजों को ज्यादा लाभ मिले नैत्र विभाग पूजन के साथ साथ गरीब मरीजों के ओप्रेशन करवायें अमरजैंसी में आने वाले सभी मरीजों को सेवा भाव से इलाज करें जिससे आने वाले लोगों को परेशानी नहीं हो लैव में भी निर्देश दिए कि जांच समय पर कर समय पर रिपोर्ट दें जिससे मरीजों का इलाज समय पर हो सके आईसीयू में नर्सिंग ऑफिसर लक्ष्मी निगम को निर्देशित किया मरीजों के उपचार तन्मयता के साथ करें गायनिक ओटी में महिलाओं को सीजर ओप्रेशन अच्छी देखभाल के साथ करें जिससे लोगों को प्राइवेट में न जाना पड़े और वाहनों के पूजन के बाद चालकों को निर्देशित किया कि वाहन समय पर मरीज को उपलब्ध रहे जिससे प्राईवेट वाहन में मरीजों का पैसा बचायें और लाभांवित करें सभी को मरीज के हितों को देखते हुए कार्य करने के निर्देश दिए कि मरीज की सेवा भाव रख कर करें जिससे जिला चिकित्सालय में आने वाले सभी मरीज लाभान्वित होंगे

पत्नी के वियोग में 30 वर्षों से लगातार स्मृति में महिलाओं और बेटियों का किया जाता है सम्मान

छतरपुर> जिले के कस्बा नौगांव वार्ड नंबर 10 में रहने वाली श्रीमती प्रभा देवी गंगेले पत्नी श्री संतोष कुमार की मृत्यु 20 अक्टूबर 1993 को शारदीय नवदुर्गा पंचमी उत्सव के दिन हो जाने पर उनकी स्मृति में उनके पतिदेव और पुत्रों द्वारा प्रतिवर्ष नवदुर्गा उत्सव पंचमी के दिनो 30 वर्षों से लगातार उनकी पूण्य स्मृति में वृक्षारोपण, तुलसी के पौधा रोपण तथा बेटियों का पाठ पूजन उनका सम्मान गरीब महिलाओं को साड़ी अंगवस्त्र वितरण जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक काम समाज को समरसता के साथ संदेश देने का हो रहा है । धर्मपत्नी के निधन के बाद बेटियों और महिलाओं का सम्मान करना उनका नेतृत्व कर्तव्य बन गया है । गत दिवस नवदुर्गा पंचमी को महाराजपुर विधानसभा क्षेत्र के ऊजरा, उर्द मऊ, पृथ्वीपुरा शिक्षण संस्थानों में बेटियों का पद पूजन किया गया उनका स्वागत किया गया साहित्य सामग्री देकर सम्मानित किया गया तथा पांच बेटियों को अंग वस्त्र दान देकर के उनको भारतीय नारी शक्ति महिला शक्ति तथा बेटियों के कर्तव्यों का बोध कराते हुए देश और राष्ट्र के लिए समर्पित राष्ट्रभक्त देश सेवा करने के लिए सम्मानित किया गया । तीन विद्यालय के शिक्षकों विद्यार्थियों ने इस सामाजिक कार्यों के लिए समाज को प्रेरणा देने वाला तथा ऐसे समय पर अपने माता-पिता गुण एवं परिजनों को सच्ची श्रद्धांजलि बताया।

क्षत्रिय धर्म छीनना नही त्याग करना है राम यही सिखाते है - पूर्व सांसद जय भान सिंह पवैया

क्षत्रियों ने देश , धर्म व समाज की सदैव रक्षा की है - पूर्व मंत्री अनूप मिश्रा

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। अखिल भारतीय क्षत्रियमहा सभा के राष्ट्रीय मंत्री आबोध सिंह तोमर अध्यक्ष जगमोहन सिंह तोमर ,सुखवीर सिंह तोमर ने बताया कि दिनांक 12 अक्टूबर 2024 को प्रातः 11 बजे ग्वालियर दुर्ग गेट से भगवान श्री राम के अविजित मुहूर्त मे पूजनकर विजयरथ के साथ ह?ारो की संख्या मे चलसमारोह निकला। राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह तोमर , महापौर शौभा द्वारा हरी झंडी दिखाकर रथ यात्रा को विदा किया गया। जिसमे लगभग 1100 वाहनों के साथ यह चल समारोह समाज मे व्याप्त नशा घोरी को दूर करने का संदेश भी दिया गया,। तथा स्वच्छता ,शिक्षा , पर जोर दिया जायेगा, समाज मे व्याप्त मिलावट घोरी पर भी को दूर करने का संकल्प लिया । चल समारोह भगवान श्री राम के विजय रथ के रूप मे बच्चों के आकर्षक राम दरवार के रूप मे किला गेट, ह?ीरा, पातली हनुमान, प?ाव, स्टेशन बजरिया, थाटीपुर, बारादरी , 7 नंबर चौराहा, गोला का मंदिर होते हुए दानदरुआ धाम पर भक्त और भगवान के मिलन के रूप मे आयोजन आयोजन किया गया, एवं पूर्व सांसद व पूर्व मंत्री श्री जयभान सिंह पवैया जी द्वारा शमी एवं अस्त्र शस्त्र का पूजन पूर्व मंत्री अनूप मिश्रा जी द्वारा का कराया गया तथा नशा मुक्त समाज का संकल्प लेकर रावण दहन किया किया गया , इस अवसर पर पूर्व सांसद माननीय जयभान सिंह पवैया अपने उधबोधन कहा कि क्षत्रिय का स्त्रठ्ठ यही है कि वह छीनता नही है बल्कि त्याग करता है आज दशहरा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्यू कि 500 वर्षो के बाद ह?ारो कार सेवकों के बलिदान देने के पश्चात राम लला के मंदिर बनने के बाद यह पहला विजय दशमी का त्योहार आया है इसलिए पूरे देश में हर्ष व्याप्त है। इस देश में यदि धर्म की रक्षा की है तो वह गरीब ब्राम्हण है जिसने गरीबी को झेलकर भी गांव गांव मे सत्यनारायण की कथा कही । पूर्व मंत्री श्री अनूप मिश्रा जी ने कहा कि राष्ट व धर्म की रक्षा के लिए क्षत्रियों ने सदैव बलिदान किया है सनातन धर्म का साक्षात् उदाहरण भगवान श्री राम है जो लाखो वर्ष बाद भी ज्यू की त्यो है , समाज की रक्षा सदैव क्षत्रिय करता आया है। इस विजय यात्रा का सर्व समाज द्वारा जगह जगह स्वागत कर सामाजिक समरसता का सदेश भी दिया दिया , कार्यक्रम के अंत में शमी व अस्त्र शस्त्र का पूजन श्री जयभान सिंह पवैया व श्री अनूप मिश्रा जी द्वारा किया गया उसके बाद नौ देवियो व राम दरवार की महा आरती की गई । उसके बाद 21 फिट के रावण का नशाघोरी, अशिक्षा , मिलावट को दूर करने हेतु पुतला दहन किया गया। कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से विनय प्रताप तोमर, छोटे तोमर, कृष्ण जादौन, लोकेन्द्र तोमर, रविंद्र सिंह पवैया डॉ , धनेंद्र चौहान , अबोध सिंह तोमर, अरुणेश सिंह भदोरिया ब्रजेश सिंह भदौरिया, अजीत सिंह तोमर, सतेंद्र सिंह भदौरिया, सुखवीर सिंह तोमर, , चंदू राजावत, गोपाल जादौन, योगेंद्र परिहार, चंद्रेश पवैया, अजय सेंगर, मनोज तोमर किरण भदौरिया , गायत्री चौहान, सुनीता तोमर ,अजय सेंगर, मुकेश तोमर, रजनी भदौरिया, आदि।

मन में कष्ट हो तो उसे ईश्वर में लगा दो: पं कपिल

शताब्दीपुरम स्थित दंदरौआ धाम मंदिर में रामकथा

ग्वालियर। जीवन में जब कष्ट आए तो ऊपर उठ जाना चाहिए। शरीर पर कष्ट आए तो शरीर से ऊपर उठ जाना चाहिए और मन पर कष्ट आए तो मन को समाज से हटाकर ईश्वर में लगाना चाहिए। यह विचार पं कपिल कृष्ण ने शताब्दीपुरम दंदरौआ धाम में आयोजित हो रही कथा के विश्राम दिवस मंगलवार को व्यक्त किए।इस अवसर पर पं. विद्यासागर शास्त्री का विशेष सानिध्य रहा। उन्होंने कहा कि जब हम ज्ञान को आचरण में उतारते हैं तो कल्याण निश्चित हो जाता है। कर्म और उद्देश्य निष्छल हो जाए तो, परमात्मा की प्राप्ति हो जाती है। उन्होंने बालि उद्धार की कथा सुनाते हुए बताया कि मूर्ख सेवक, कंजूस राजा और कुल्टा स्त्री इनका समाप्त करना जरूरी है। जिसका कोई नाथ नहीं है, वो अनाथ है,लेकिन जो परमात्मा को अपना नाथ मान लेता है वो सनाथ हो जाता है। जो समदर्शी होते हैं वो सभी को समान रूप से देखते हैं। जो संसार में आया है, उसका जाना निश्चित है, यह बात जेहन में रखकर सदा परमात्मा की शरण में रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवन में विपत्ति इसलिए आती है, जिससे हम ईश्वर को याद कर सकें। उन्होंने जीवन-मरण का रहस्य बताते हुए कहा कि मृत्य होने पर यदि शरीर के लिए रो रहे हो तो शरीर तो यही पड़ा है और यदि आत्मा के लिए रो रहे हो तो आत्मा कभी मरती नहीं है। उन्होंने बताया कि हनुमानजी ने राम की मुद्रिका मुख में इसलिए रखी क्योंकि उस पर राम का नाम लिखा था और वे सदैव राम का नाम मुख पर रखना चाहते थे। हम भी यदि सदैव राम का नाम मुख पर रखेंगे तो जीवन आनंदमय हो जाएगा। उन्होंने बताया कि सीता साक्षात भक्ति है। संसार के सारे जीव सीता की खोज में लगे हैं, क्योंकि सीता शांति है और शांति सभी को चाहिए। किसी को धन से किसी को विवाह से तो किसी को संतान प्राप्ति से शांति मिलती है। इस अवसर पर कथा परीक्षत साधना राजीव कोठारी, संस्था अध्यक्ष एसएन शुक्ला सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478